INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-360 | मथुरा, सोमवार 23 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मनरेगा पर डिजिटल पहराः पुरानी फोटो से नहीं चलेगा खेल

अब कार्यस्थल पर लाइव फोटो अपलोड करना होगा अनिवार्य

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने एनएमएमएस (राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली) एप के उपयोग को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। शासन से स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि कार्यस्थल की वास्तविक और लाइव फोटो अपलोड करना अनिवार्य होगा। यदि सुबह और दोपहर की उपस्थिति की तस्वीरें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपलोड नहीं की जाती हैं तो संबंधित मजदूरों की वेतन सूची (वेज लिस्ट) तैयार करने पर रोक लगाई जा सकती है। गौरतलब है

उल्लंघन पर रुकेगी वेतन सूची

एक फोटो, एक हाजिरी, डुप्लीकेट एंट्री पर लगेगा ब्रेक

एनएमएमएस एप पर हाजिरी भरने में हो रही अनियमितताओं के क्रम में विशेष रूप से उन शिकायतों के मद्देनजर जारी किया गया है। इनमें फर्जी फोटो अपलोड, पुरानी तस्वीरों का पुनः उपयोग और उपस्थिति में विसंगतियों की बात सामने आई थी।

कार्यवाही रिपोर्ट सीधे राज्य मुख्यालय को भेजी जाएगी

यूनिक समय, मथुरा। निर्देशों के अनुसार प्रत्येक जनपद में एनएमएमएस के माध्यम से अपलोड की गई फोटो और उपस्थिति का दैनिक परीक्षण किया जाएगा। मनरेगा सॉफ्ट पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट तैयार कर निर्धारित प्रारूप में एटीआर (कार्रवाई रिपोर्ट) राज्य मुख्यालय को भेजना अनिवार्य किया गया है। गौरतलब है कि पूर्व में कई मामलों में एनएमएमएस के दुरुपयोग से निगरानी तंत्र कमजोर हुआ है, जिसे अब सुदृढ़ किया जाएगा। यदि किसी स्तर पर शिथिलता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

डिजिटल निगरानी में लापरवाही अब बर्दाश्त नही होगी

यूनिक समय, मथुरा। समेत सभी जिलों को निर्देश दिया गया है कि इन बिंदुओं पर विशेष निगरानी रखी जाए। जिला कार्यक्रम समन्वयक और उपयुक्त श्रम–रोजगार अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें। एनएमएमएस को पारदर्शिता का उपकरण माना जाता है, लेकिन उसके दुरुपयोग की शिकायतों ने शासन को कठोर कदम उठाने पर मजबूर किया है। मथुरा में अब मनरेगा कार्यों की निगरानी और अधिक सख्त होगी।

फर्जी फोटो, लिंग, पहचान और संख्या में गड़बड़ी पर विशेष निगरानी

यूनिक समय, मथुरा। शासनादेश में सात प्रकार की संभावित अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है, जिनमें असंबंधित फोटो अपलोड करना, एक ही फोटो को कई बार उपयोग करना, मजदूर संख्या में अंतर, लिंग पहचान में विसंगति और फर्जी उपस्थिति शामिल हैं।

सांसद हेमामालिनी ने उठाए कई मुद्दे

जिले के कायाकल्प को केंद्र सरकार से विशेष पैकेज मांगा

नई दिल्ली में संसद एनेक्सी में आयोजित 'नगर विकास संबंधी संसदीय समिति' की बैठक में सांसद हेमामालिनी, नगर आयुक्त जगप्रवेश समेत अन्य अधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सांसद श्रीमती हेमा मालिनी ने नई दिल्ली स्थित संसद एनेक्सी में आयोजित बैठक में मथुरा की प्रमुख समस्याओं और विकास योजनाओं को प्रमुखता से रखा।

सांसद ने मथुरा–वृंदावन नगर निगम, स्थानीय नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के कायाकल्प के लिए केंद्र सरकार से विशेष सहयोग की मांग की। बैठक में चर्चा करते हुए सांसद हेमा मालिनी ने मथुरा जिले के सर्वांगीण विकास के लिए भारत सरकार से विशेष आर्थिक पैकेज की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक नगरी होने के कारण यहाँ श्रद्धालुओं का भारी दबाव रहता है, जिसके लिए बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। बैठक में जनपद की ज्वलंत समस्या ट्रैफिक जाम, श्री यमुना प्रदूषण के साथ साथ नगर निगम और नगर पंचायतों की आवश्यकताओं, जैसे सड़कों का निर्माण, जल निकासी और अन्य जन–

नई दिल्ली में नगर विकास संबंधी संसदीय समिति की बैठक में शामिल हुई

समस्याओं के निदान हेतु विस्तृत योजना रखी। मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जग प्रवेश ने बैठक में भाग लिया।

उन्होंने निगम क्षेत्र की वर्तमान मांगों और भविष्य के बजट की विस्तृत प्रस्तुति समिति के सामने रखी। सांसद प्रतिनधि जनार्दन शर्मा के अनुसार संसदीय समिति की अध्यक्षता कर रहे सांसद मंगता श्रीनिवास रेड्डी ने सांसद हेमा मालिनी द्वारा उठाए गए बिंदुओं को गंभीरता से सुना। आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा कि हेमा मालिनी पवित्र नगरी मथुरा की समर्पित सांसद हैं। हम धार्मिक नगरी मथुरा के विकास के लिए पूर्ण रूप से हर संभव सहयोग करने के लिए तैयार हैं। बैठक में केंद्र सरकार के नगर विकास मंत्रालय के उच्चाधिकारी और अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री ने बनाया राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा

यूनिक समय, वृंदावन। इस्तीफा देकर राजनीति में उतरे पीसीएस अफसर अलंकार अग्निहोत्री ने योगीराज श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली से अपनी नई पार्टी का ऐलान किया। पार्टी का नाम राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा यानी राम रखा है। कार्यकर्ताओं ने उनका फरसा, तलवार और बांसुरी भेंट कर स्वागत किया। कहा कि देश के मौजूदा हालात और खास तौर पर यूजीसी रेगुलेशन को लेकर बढ़ते विरोध ने मुझे राजनीति में आने के लिए प्रेरित किया है। पार्टी का नाम भगवान राम की प्रेरणा से लिया गया है। गौरतलब है कि अलंकार अग्निहोत्री बरेली के नगर मजिस्ट्रेट थे। वह प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान और यूजीसी (यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन) के नए कानून से नाराज और दुखी थे। उन्होंने 26 जनवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बाद में उन्हें योगी सरकार ने सस्पेंड कर दिया था।

चर्चा

घोड़ी गई छुट्टी पर, ऊंट ने संभाली ड्यूटी!

शादी में दुल्हन की रॉयल एंट्री से बाराती रह गए दंग

संवाददाता

यूनिक समय, अलीगढ़। इन दिनों एक शादी की चर्चा ऐसी है, मानो किसी ऐतिहासिक फिल्म का सीन शूट हुआ हो। फर्क बस इतना था कि यहां कैमरे से ज्यादा मोबाइल ऑन थे और निर्देशक की जगह दुल्हन खुद थी। मौका था मिताली की शादी का, लेकिन असली आकर्षण बना उसका "रेगिस्तानी अंदाज" में वरमाला मंच पर पहुंचना। आम तौर पर दूल्हा घोड़ी पर आता है और दुल्हन शालीनता से स्टेज तक पहुंचती है। मगर यहां कहानी में ट्विस्ट था। घोड़ी को आराम देकर ऊंट को बुलाया गया। जी हां, दुल्हन ने ऊंट पर सवार होकर ऐसी एंट्री मारी कि घराती–बराती कुछ पल के लिए समझ ही नहीं पाए कि शादी

ऊंट पर सवार होकर स्टेज की ओर जाती दुल्हन।

में आए हैं या किसी राजस्थानी लोक महोत्सव में। बताया जाता है कि एंट्री प्लान करने के लिए इंटरनेट खंगाला गया, आइडिया शॉर्टलिस्ट हुए और आखिरकार "जैसलमेर स्टाइल" फाइनल हुआ। ऊंट भी पूरी तैयारी से आया–सजा–धजा, जैसे उसे भी पता हो कि आज उसकी स्टार एंट्री है। जैसे ही मिताली लाल जोड़े में ऊंट पर बैठकर मदन पैलेस पहुंची, डीजे की धुनें भी मानो रॉयल बैकग्राउंड म्यूजिक में बदल गईं। स्टेज तक पहुंचते–पहुंचते मेहमानों के मोबाइल कैमरे गरम हो चुके थे।

दुल्हन ने शान से उतरकर दूल्हे को वरमाला पहनाई और इस तरह रस्म भी पूरी हुई और सोशल मीडिया कंटेंट भी तैयार। कुछ बाराती फुसफुसाते सुने गए–"भाई, अब हमारी शादी में क्या नया करेंगे?" कुल मिलाकर, इस शादी ने साबित कर दिया कि जब आइडिया बड़ा हो, तो घोड़ी नहीं, ऊंट भी ट्रेंड में आ सकता है। अब इलाके में चर्चा यही है–अगली शादी में हेलीकॉप्टर बुक होगा या हाथी?

बिना अनुमति कॉलोनी काटने वालों पर चला विप्रा का हंटर

अवैध निर्माण पर सील लगाती विप्रा टीम।

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। गोवर्धन में अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने गोवर्धन रोड पर नहर के पास विकसित की जा रही करीब 35,000 वर्ग मीटर की अवैध कॉलोनी को सील कर दिया। जानकारी के अनुसार श्याम सिंह और हेमंत अग्रवाल द्वारा बिना मानचित्र स्वीकृति के सड़क, बाउंड्रीवॉल, बिजली पोल, 12 कॉटेज (विला), वॉच टावर, ऑफिस और मुख्य गेट का निर्माण कराया जा रहा था। इस मामले में उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 के तहत वाद दर्ज किया गया था, लेकिन सुनवाई में निर्माणकर्ता उपस्थित नहीं हुए। सोमवार को सचिव आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रवर्तन दल ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर सभी निर्माणाधीन ढांचों को सील कर दिया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि बिना अनुमति निर्माण पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सावधान...चमक पर न जाएं

केमिकल से रंगे हो सकते हैं चिप्स और पापड़

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप बाजार में होली के लिए चिप्स और पापड़ खरीदने जा रहे हैं तो ठहरिए। आप चमक पर मत जाना। वजह वह केमिकल से रंगे हो सकते हैं। इस समय बाजार में मिलावटी सामान की बिक्री हो रही है। होली का त्योहार नजदीक आते ही शहर में मिलावट खोर सक्रिय हो गए हैं। बाजारों में रंगीन पापड़ और चिप्स दिखाई दे रहे हैं। यह रंग केमिकल वाला हो सकता है। इससे चमक दिखाई देती है।

बाजार में बिकते पापड़ और चिप्स।

इसलिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। त्यौहार पर घरों

त्योहार नजदीक आते ही शहर में मिलावट खोर सक्रिय

में मेहमानों के स्वागत और लोग अभी से खरीदारी करने लगे हैं। दुकानों पर साबूदाना पापड़ करीब 200 रुपये किलो, आलू के पापड़ 240 रुपये किलो तक बिक रहे हैं। वहीं चावल के पापड़ लगभग 80 रुपये किलो मिल रहे हैं। छोटे पैकेट 20 रुपये से शुरू हो रहे हैं, जिससे आम लोग भी आसानी से खरीद सकें। दुकानदारों का कहना है कि पिछले साल की तुलना में इस बार कीमतों में करीब 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। कच्चे माल और अन्य खर्च बढ़ने की वजह से दाम थोड़ा बढ़े हैं, लेकिन बिक्री पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा है। बाजारों में सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। महिलाएं और बुजुर्ग पहले से ही पापड़ और चिप्स खरीदकर रख रहे हैं, ताकि त्योहार के समय कोई कमी न रहे। दुकानदारों का कहना है कि होली से कुछ दिन पहले बिक्री और बढ़ जाएगी।

तापमान / मौसम

29 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

15 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,60,000

22 कैरेट 1,47,200

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,70,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

राल में गूंजा 'काले कानून' यूजीसी के खिलाफ विद्रोह का स्वर

कस्बा राल में आयोजित सभा के दौरान निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री समेत अन्य वक्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राल स्थित किसान इण्टर कॉलेज के मैदान में आयोजित स्वर्ण समाज की महापंचायत में जुटे लोगों ने केंद्र सरकार की नीतियों, विशेषकर यूजीसी से जुड़े नए प्रावधानों के खिलाफ हल्ला बोला। आगामी चुनावों में सत्ता पक्ष को उखाड़ फेंकने का सामूहिक संकल्प भी लिया गया। बरेली के निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़े प्रहार किए। कहा कि "वर्तमान सरकार द्वारा लाया गया यूजीसी कानून सीधे तौर पर स्वर्ण समाज के अस्तित्व को मिटाने की एक गहरी साजिश है। यह कानून भेदभावपूर्ण है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। जोर देकर कहा कि इस 'गंदे कानून' से लड़ने के लिए समाज को तन, मन और धन से एक सूत्र में बंधना होगा। उन्होंने लोगों को आगामी चुनावों में भाजपा को वोट न देने की शपथ भी दिलाई। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने कहा, "देश के शीर्ष नेतृत्व द्वारा लगातार स्वर्ण समाज की उपेक्षा की जा रही है।

अब समय आ गया है कि हम उनकी ही भाषा में करारा जवाब दें।" बृजमंडल क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार ने कहा कि "स्वर्ण समाज के वीरों, अब कुम्भकर्णी नींद से जागने का वक्त आ गया है। कार्यक्रम की शुरुआत महामण्डलेश्वर परमेश्वरी दास महाराज के सानिध्य में हुई। सभा में विजयपाल सिंह, ओम प्रकाश, वीरेंद्र सिंह, मोती, दिनेश सिंह, डॉक्टर जगदीश सिंह गौर, नौहबत सिंह एवं देवेन्द्र आदि मौजूद थे।

केजीबीवी की छात्राओं का आगरा एक्सपोजर विजिट

आगरा के लिए रवाना होती बस को हरी झंडी दिखाते डीएम सीपी सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी सीपी सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नौहझील, मांट, राया तथा बलदेव स्थित केजीबीवी की छात्राओं एवं स्टाफ को आगरा भ्रमण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य छात्राओं में पाठ्यपुस्तकों में पढ़ाए गए इतिहास एवं विज्ञान से जुड़े तथ्यों के प्रति जिज्ञासा और व्यावहारिक समझ विकसित करना होगा। ऐतिहासिक धरोहर फतेहपुर सीकरी का

डीएम ने बस को दिखाई हरी झंडी

अवलोकन करेंगी। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से बालिकाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें पुस्तकीय ज्ञान को व्यवहारिक रूप में समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने छात्राओं को भ्रमण के दौरान अनुशासन बनाए रखने और अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

भूतेश्वर रेलवे स्टेशन पर मिला शव

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म से पुलिस ने व्यक्ति का शव बरामद किया है। मृतक उपेंद्र कुमार के रूप में हुई है। राजकीय रेलवे पुलिस को भूतेश्वर स्टेशन पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा होने की जानकारी मिली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक की तलाशी की। पुलिस को उसके पास से मिले आधारकार्ड पर पुलिस ने परिवार के लोगों से संपर्क किया। शव को पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवारीजन भी मोरचरी पहुंच गए। उन्होंने बताया कि उपेंद्र कुमार मूल रूप से गांव घोसूपुरा जनपद मैनपुरी के रहने वाले हैं। वह घर से करीब तीन माह पूर्व मथुरा आए थे। वह कोई प्राइवेट नौकरी करते थे। परिवार के लोगों ने बताया कि पुलिस द्वारा दी गई सूचना पर वह शव को लेने के लिए आए हैं।

छाता के गांधी इंटर कॉलेज में शांतिपूर्ण हुई हाईस्कूल अंग्रेजी की परीक्षा

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। यूपी बोर्ड की परीक्षा जारी हैं। सोमवार को हाईस्कूल के परीक्षार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय की परीक्षा थी। गोवर्धन रोड स्थित गांधी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी। परीक्षा देकर विद्यालय से बाहर आते हुए छात्र खुश दिखे। कक्षा 10 की नैना ने बताया कि इंग्लिश का पेपर बहुत ही अच्छा आया था। उससे ट्रांसलेट वाला प्रश्न छूट गया। किशोरी, मनीषा, मयंक ,मनजीत एवं रोहित

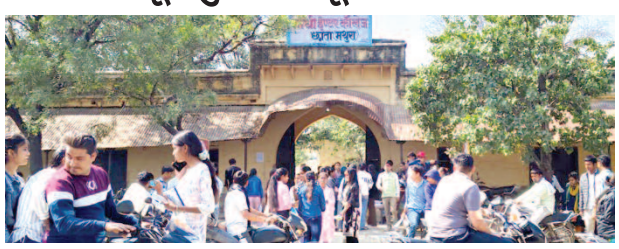

गांधी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र के बाहर अंग्रेजी का पेपर देकर बाहर आए परीक्षार्थी।

आदि छात्रों ने बताया कि प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के अनुरूप था और उन्होंने समय रहते सभी सवालों के जवाब दिए। प्रधानाचार्य सी के सारस्वत ने बताया कि कॉलेज में परीक्षा को पूरी तरह नकल विहीन और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए कक्ष निरीक्षकों ने कड़ी निगरानी रखी।

दलित परिवार पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को केला फैक्ट्री के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त देशी तमंचा कारतूस भी बरामद किए है। थाना मगोर्रा के गांव पालीडूंगरा में एक दलित परिवार के साथ 18 फरवरी को पप्पू, संतोष आदि ने हथियारों से लैस होकर हमला कर दिया था। मारपीट की घटना में राहुल को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली गलौज की और उसके पिता सोरन तथा उसकी पत्नी के साथ मारपीट की। हमलावरों ने कुल्हाड़ी और तमंचे की बट से बुरी तरह मारपीट कर सोरन को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हत्या के प्रयास के मामले में वांछित चल रहे पप्पू को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

कैसे बनाएं स्वयं सहायता समूह जानिए पूरी प्रक्रिया

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत स्वयं सहायता समूह गठन की प्रक्रिया सरल और प्रभावी है। मथुरा जिले में बड़ी संख्या में महिलाएं इस योजना से जुड़कर स्वरोजगार और सामूहिक उद्यमों के माध्यम से आय बढ़ा रही हैं। स्वयं सहायता समूह बनाने के लिए सामान्यतः 10 से 15 महिलाएं मिलकर समूह का गठन करती हैं। समूह का उद्देश्य नियमित

बचत, आंतरिक ऋण सुविधा और सामूहिक आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना होता है। गठन के बाद समूह का पंजीकरण संबंधित ब्लॉक मिशन प्रबंधन इकाई के माध्यम से कराया जाता है। समूह का बैंक खाता खुलवाया जाता है और नियमित बैठकों के जरिए कार्य संचालन शुरू होता है। बैंक लिंकेज के माध्यम से समूहों को ऋण सुविधा मिलती है, जिससे सदस्य डेयरी, बकरी पालन, सिलाई-कढ़ाई, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प या अन्य लघु उद्योग शुरू कर सकती हैं। साथ ही, वित्तीय साक्षरता, लेखा-जोखा और विपणन

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन

संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाता है। एनआरएलएम के तहत स्वयं सहायता समूहों के लिए "पंचसूत्र" नियम अनिवार्य माने गए हैं। मथुरा में इच्छुक महिलाएं ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम संगठन या ब्लॉक मिशन कार्यालय से संपर्क कर स्वयं सहायता समूह गठन की प्रक्रिया शुरू कर सकती हैं। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

फागुन महोत्सव में महिलाओं ने लगवाई बाबा श्याम की मेहंदी

फागुन महोत्सव के मेंहदी कार्यक्रम में थिरकती महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। श्री खाटू श्याम सेवादार परिवार के बैनर तले आयोजित चार दिवसीय फागुन महोत्सव अंतर्गत बाबा श्याम का मेहंदी कार्यक्रम कृष्ण कुंज कॉलोनी सौंख रोड पर चरण सेवक महेश मित्तल के निवास पर हुआ। सबसे पहले बाबा श्याम के मेहंदी लगाई। फिर कार्यक्रम में लगभग 200 महिलाओं ने अपने हाथों में बाबा श्याम के नाम की मेहंदी लगवाई। यह जानकारी मंडल के सचिव आलोक जैन व सहसचिव मोहित मित्तल ने दी।

रमजान पर्व को लेकर प्रशासन सतर्क

जुमा अलविदा और ईद-उल-फितर पर विशेष तैयारी

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रमजान माह के अंतिम शुक्रवार जुमा अलविदा तथा ईद-उल-फितर को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने की। बैठक में साफ-सफाई, निर्बाध बिजली आपूर्ति, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, मजबूत यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधन को लेकर निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक अवश्य करें, त्योहार रजिस्टर का अवलोकन करें और पूर्व में आई समस्याओं का समय से समाधान किया जा सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि माहौल खराब करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। शरारती तत्वों को चिन्हित कर नोटिस दिया जाए। अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह को सभी क्षेत्रों में विशेष सफाई अभियान

ईद को लेकर आयोजित बैठक में डीएम और एसएसपी।

चलाने, मस्जिदों के आसपास स्वच्छता सुनिश्चित करने तथा नालों की सफाई कराने के निर्देश दिए गए। जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया। नगर निगम एवं लोक निर्माण विभाग को सड़कों की मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। बिजली विभाग को पर्व के दौरान लगातार आपूर्ति बनाए रखने, खुले ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर बैरिकेडिंग करने तथा लटके तारों को ठीक कराने को कहा गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधावल्लभ को महत्वपूर्ण स्थानों पर स्वास्थ्य टीमें, एंबुलेंस एवं मोटरसाइकिल एंबुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए गए। अग्निशमन विभाग को भी संवेदनशील स्थानों पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगाने को कहा गया। साथ ही मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवारा पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में भिजवाने की जिम्मेदारी दी गई, और पुलिस अधीक्षक यातायात मनोज कुमार को रूट डायवर्जन करने को कहा। बैठक में मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी एन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेंद्र कुमार, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर आशना चौधरी, उपजिलाधिकारी सदर/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अभिनव जे. जैन, उपजिलाधिकारी छाता वैभव गुप्ता, उपजिलाधिकारी मांट रितु सिरोही, उपजिलाधिकारी महावन कंचन, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह तथा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राजेश राजपूत आदि उपस्थित थे।

पेड़ पर लटके मिले युवक के शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, गोवर्धन। मथुरा-गोवर्धन मार्ग स्थित एकता गौशाला के समीप शनिवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब राहगीरों ने एक युवक का शव पेड़ से लटका देखा। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में ले लिया। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। अडींग पुलिस चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया ने बताया कि मृतक की पहचान पंचम पुत्र बसोरी अहरवार, निवासी ग्राम सकतारा, थाना पंजरिया, जिला दमोह (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। सोमवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूर्ण होने के बाद शव परिजनों को

18 वर्षों से अडींग में रहकर करता था मजदूरी

सौंप दिया गया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि पंचम पिछले करीब 18 वर्षों से अडींग गांव में रहकर मजदूरी कर रहा था। वह यहीं किराये पर रहकर अपना जीवनयापन करता था। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी शादी के कुछ समय बाद ही उसे छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद से वह मानसिक रूप से परेशान रहता था। आसपास के लोगों के अनुसार वह पिछले कुछ समय से काफी चिंतित दिखाई दे रहा था।

श्रद्धालुओं के साथ पुलिस करे मधुर व्यवहार: सीओ

मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मियों को संबोधित करते जीआरपी के सीओ राजेश दीक्षित।

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। होली पर्व पर मथुरा जंक्शन की सुरक्षा जोन और सेक्टरों में बांट कर की जाएगी। पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं के साथ शालीनता पूर्ण व्यवहार किया जाए। संदिग्धों और अपराधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। भीड़ को कहीं भी एकत्र ना होने दिया जाएगा। ट्रेन में सवार होते और उतरते समय श्रद्धालुओं की मदद करें। जीआरपी के सीओ

जंक्शन की सुरक्षा जोन और सेक्टरों में बांट कर की जाएगी

राजेश दीक्षित ने बताया कि होली पर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर मथुरा जंक्शन सहित अन्य स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए इंतजामात किए गए हैं। मथुरा जंक्शन

चार अनुभागों से आ रहे हैं 200 पुलिसकर्मी

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन की सुरक्षा के लिए चार अनुभागों से दो सौ से अधिक पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। सभी को स्टेशन और सर्कुलेटिंग एरिया में तैनात किया जाएगा। मथुरा जंक्शन जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि जंक्शन पर ड्यूटी के लिए बाहर से आने वाले फोर्स के ठहरने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। उन्हें ठहरने के लिए स्टेशन और गेस्टहाउस पर इंतजाम किया गया है। फोर्स का आना शुरू हो गया। पुलिस को पॉइंटो पर तैनात किया जाएगा।

की सुरक्षा जोन और सेक्टरों में बांट कर की जाएगी। इसके साथ ही अन्य स्टेशनों पर भी पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। संदिग्धों और अपराधियों पर पैनी नजर रखी जाएगी। किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्र न होने दी जाएगी। ट्रेन में सवार होते और उतरते समय श्रद्धालुओं की मदद करें।

सोमवार को जंक्शन की सुरक्षा में लगे पुलिसबल को सीओ ने इस तरह ब्रीफ किया गया। सभी छोटे बड़े रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए चार अनुभागों के अतिरिक्त पुलिस बल को लगाया गया है। ड्यूटीरत पुलिसकर्मी सुरक्षा के साथ साथ उनकी मदद भी करें। सभी प्वाइंटों पर तैनात पुलिसकर्मी पूरी सजगता के साथ अपनी ड्यूटी को अंजाम दें। फुट ओवर ब्रिज पर किसी को नहीं ठहरने दिया जाए। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों पर कड़ी निगाह रखी जाए। सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से अराजगतत्वों पर पैनी नजर रखे। क्यूआरटी लगातार भ्रमणशील रहे। सर्कुलेटिंग एरिया में बिना चेकिंग के किसी वाहन को प्रवेश ना दिया जाए।

गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक अभियुक्त को 630 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। चौकी कृष्णा नगर के उप निरीक्षक मुश्ताक मेंहदी को एक सूचना मिली कि एक युवक बैंक कॉलोनी कृष्णा नगर में अवैध गांजे को बिक्री करने के लिए ले जा रहा है। इस सूचना पर उप निरीक्षक और कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा की टीम ने बैंक कॉलोनी के समीप खाली पड़े ग्राउंड से अवधेश निवासी सरस्वती बिहार बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज रोड को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 630 ग्राम गांजा बरामद किया है।

एडीजे ब्रह्मतेज चतुर्वेदी के निधन पर श्रद्धांजलि

यूनिक समय, मथुरा। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शोकसभा हुई। इसमें अपर जिला जज तृतीय ब्रह्मतेज चतुर्वेदी के रविवार को हुए निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सभी अधिवक्ता कार्य से विरत रहे। न्यायिक अधिकारियों ने भी मृत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

जनपद न्यायालय में बतौर एडीजे तृतीय रहे ब्रम्हतेज चतुर्वेदी का रविवार को बीमारी के चलते निधन हो गया था। इस पर अधिवक्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवगंत आत्मा को शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना। साथ ही शोक सन्तृप्त परिवार को धैर्य व साहस प्रदान करे। शोकसभा में दिवगंत आत्मा की शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। साथ ही प्रस्ताव पारित किया गया कि बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्तागण पूर्ण दिवस न्यायिक कार्य से विरत रहेंगें। संचालन सचिव मनोज कुमार शर्मा ने किया। शोकसभा में संयुक्त सचिव सुरेन्द्र कुमार शर्मा, ऑडीटर देवकीनन्दन शर्मा, कोषाध्यक्ष

पूर्ण दिवस कार्य से विरत रहे अधिवक्ता

विनोद कुमार शर्मा, जय कुमार चौधरी, छैलबिहारी गौतम, मनीष बंसल, शाहनबाज खान, डॉ. अवधेश सिंह, सुनील टैनुआ, बृजेन्द्र सिंह, सुनील यादव, सोनू चतुर्वेदी, बृजेन्द्र चौधरी, लोकेन्द्र सैनी, पंकज गौतम, विनय शर्मा, बृजेश गुर्जर, केके चौधरी, प्रेम चौधरी, दिलीप गौतम, मुन्ना खान, सर्वेश चतुर्वेदी एवं सत्यवीर चौधरी आदि उपस्थित थे।

जिला न्यायाधीश विकास कुमार की अध्यक्षता में सेन्ट्रल हॉल में भी शोक सभा आयोजित की गयी, जिसमें न्यायालय के सभी न्यायिक अधिकारियों के अलावा जिला शासकीय अधिवक्ता शिवाराम सिंह तरकर, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अवनीश उपाध्याय, राजू सिंह, भगत सिंह आर्य, रागिनी गांधी, अलका उपमन्यु, रामपाल सिंह, हेमेंन्द्र भारद्वाज, केके पाठक, शैलेन्द्र कुमार गौतम, सुभाष चतुर्वेदी, नरेन्द्र शर्मा आदि शामिल हुए।

शासन के आदेश का इंतजार

जिले में 153 स्कूलों की छात्रवृत्ति अटकी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति को लेकर 153 विद्यालयों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के कारण हजारों छात्रों की छात्रवृत्ति अब तक अटकी हुई है। पिछले साल सितंबर-अक्टूबर में (ईओडब्ल्यू) ने जांच के चलते इन विद्यालयों की छात्रवृत्ति पर रोक लगा दी थी। इसका असर करीब 6 से 7 हजार छात्रों पर पड़ा है।

जानकारी के अनुसार छात्रवृत्ति वितरण में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद जांच शुरू की गई थी। जांच

पूरी होने तक संबंधित विद्यालयों की छात्रवृत्ति राशि रोक दी गई। कई महीने बीतने के बाद भी इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका है। बताया जाता है कि जिलाधिकारी ने शासन से इस मामले में मार्गदर्शन भी मांगा था, ताकि छात्रों को राहत

छह से सात हजार छात्र इंतजार में

ईओडब्ल्यू जांच के कारण भुगतान रुका

मिल सके। लेकिन अभी तक शासन की ओर से कोई स्पष्ट आदेश जारी नहीं हुआ है। मामला अभी भी शासन स्तर पर विचाराधीन है। छात्रवृत्ति न मिलने से छात्र और उनके अभिभावक परेशान हैं। अधिकतर छात्र गरीब परिवारों से हैं और पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति पर निर्भर रहते हैं। कई छात्रों ने आगे की पढ़ाई की योजना इसी धनराशि के भरोसे बनाई थी।

छात्रवृत्ति न मिलने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि किसी विद्यालय में गड़बड़ी हुई है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन छात्रों की छात्रवृत्ति नहीं रोकी जानी चाहिए। सभी को उम्मीद है कि जल्द फैसला होगा और उन्हें उनकी छात्रवृत्ति मिल सकेगी।

छाता ब्लॉक में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। बाल विकास पुष्टाहार विभाग की ओर से संचालित 'पोषण अभियान' के अंतर्गत ब्लॉक सभागार में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र "पोषण भी, पढ़ाई भी" अभियान है। कार्यक्रम के माध्यम से 124 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बच्चों के सर्वांगीण विकास के गुर सिखाए जा रहे हैं। अभियान का लक्ष्य केवल बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर ध्यान देना ही नहीं है, बल्कि प्रारंभिक शिक्षा को भी खेल-खेल में पोषण के साथ जोड़ना है। यह कार्यक्रम डीएम चन्द्र प्रकाश सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर बीडीओ नरेश कुमार, एनआरएलएम इंद्रपाल सिंह, बीडीओ समूह मनोज कुमार, सीडीपीओ सुमन, सविता कुंतल, स्वाति तिवारी तथा अनुज कुमार आदि मौजूद थे।

प्रथम यूसीमास प्रतियोगिता में युवराज बने जिला चैंपियन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर निवासी युवराज गौड़ ने मथुरा में आयोजित प्रथम यूसीमास अबेकस एवं मानसिक अंकगणित जिला प्रतियोगिता में लेवल 4 श्रेणी में जिला चैंपियन का स्थान प्राप्त कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता के दौरान युवराज गौर ने मात्र 10 मिनट में 100 प्रश्नों को पूर्णतः सही हल कर अपनी अदभुत मानसिक गणना क्षमता, तीव्र स्मरण शक्ति और एकाग्रता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यूसीमास अबेकस एवं मानसिक अंकगणित कार्यक्रम बच्चों में गणितीय दक्षता, तार्किक सोच, आत्मविश्वास और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। जिले भर से आए प्रतिभागियों के बीच युवराज गौर का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। पिता दीपक गौड़ ने बताया कि युवराज गौड़ की इस उपलब्धि से

अवॉर्ड को लेकर युवराज अपने पिता के साथ।

10 मिनट में 100 प्रश्न हल कर रचा कीर्तिमान

उनके परिवार और मथुरा शहर में गर्व और प्रसन्नता का वातावरण है। उनकी सफलता यह दर्शाती है कि निरंतर अभ्यास, दृढ़ संकल्प और उचित मार्गदर्शन से कम उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां प्राप्त की जा सकती हैं।

साइबर अपराधों से सतर्क रहने का आह्वान

कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विशेष शिविर के दौरान अतिथि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, माधव कुंज में सात दिवसीय आवासीय विशेष शिविर शुरू किया गया। भौतिक विज्ञान प्रवक्ता उमेश शर्मा ने अतिथियों का परिचय कराया। कार्यक्रम अधिकारी नरेंद्र कुमार ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। स्वयंसेवकों को टोली में विभाजित कर उन्हें विभिन्न दायित्व सौंपे। उन्होंने बताया कि यह शिविर 23 फरवरी से एक मार्च तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य वक्ता थाना गोविंद नगर के साइबर क्राइम प्रभारी उप निरीक्षक मंयक वत्स ने आधुनिक समय में मोबाइल फोन के माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी एवं साइबर अपराधों पर प्रकाश डाला। स्वयंसेवकों को सतर्क रहने के उपाय बताए।

कृष्ण चंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में विशेष शिविर

प्रबंधक समीर बंसल ने स्वयंसेवकों से अपील की कि वे अपने परिवार एवं समाज को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें। संचालन वाणिज्य प्रवक्ता लोकेश अग्रवाल ने किया।

शिविर में प्रधानाचार्य विनय कुमार सिंह, कांस्टेबल प्रदीप कुमार, बिरला मंदिर पुलिस चौकी प्रभारी अजित कुमार, राजीव पाठक, केशव सिंह, उमेश शर्मा, नरेंद्र कुमार, लोकेश अग्रवाल, सोमकुमार लवानियां, निधीश अग्रवाल, नूतन वर्मा, दिव्या गुप्ता एवं अनिल कुमार आदि उपस्थित थे।

संत गाडगे ने लोगों को अंधविश्वास आडंबर के खिलाफ जागरूक किया

संत गाडगे की जयंती मनाते समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी के मथुरा-वृंदावन विधानसभा क्षेत्र के नेता अनिल अग्रवाल के सौंख रोड़ स्थित कैम्प कार्यालय पर समाजवादियों ने संत गाडगे की 150 वीं जयंती मनाई। अध्यक्षता प्रदेश सचिव जागेश्वर यादव ने की। संचालन विभौर गौतम ने किया। वक्ताओं ने कहा कि संत गाडगे महाराज ने अस्पृश्यता के खिलाफ लड़ाई लड़ी और लोगों को अंधविश्वास, आडंबर के खिलाफ जागरूक किया। सपा नेता अनिल अग्रवाल, पार्षद मुन्ना मलिक पार्षद, लोहिया वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रवि दिवाकर, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने संत गाडगे के जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी के पवन चौधरी, रनवीर धनगर, यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष नजर पहलवान, लोहिया वाहिनी महानगर सचिव करन बलराज, राजेश यादव, महानगर उपाध्यक्ष देवेन्द्र निषाद, सायल अग्रवाल एवं भरत दिवाकर आदि उपस्थित थे।

फौजी के साथ नहीं हुई लूटपाट

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव सेहा नाले के समीप कुछ लोगों ने एक फौजी की गाड़ी को रोककर हथियारों के बल पर मारपीट और लूटपाट की। पुलिस मामले जांच पड़ताल में जुटी है। झुड़ावई गांव का रहने वाला सैनिक अनिल कुमार के साथ कल सायं हुई मारपीट और लूटपाट के मामले

पुलिस ने मामले को मारपीट का बताया

की पुलिस जांच कर रही है। सैनिक का आरोप है कि पुलिस इस मामले में कार्रवाई नहीं कर रही है। थाना प्रभारी हरीश चौधरी ने बताया कि अनिल द्वारा दी गई तहरीर पर जांच कर रही है। सैनिक थार गाड़ी से अपने रिश्तेदारी में जा रहा था। नाले पर रास्ता कम होने के कारण रास्ते में खड़ी बाइक को हटाने को लेकर सैनिक और बाइक वालों के बीच झगड़ा हुआ था। थार गाड़ी का शीशा भी टूटा है। झगड़ा रास्ते से बाइक को हटाने पर हुआ था। लूटपाट जैसी कोई घटना नहीं हुई है।

अशोक विहार में हिन्दू सम्मेलन

संस्कारों से समाज को बेहतर बनाने का आह्वान

अशोक विहार में आयोजित हिंदू सम्मेलन में वक्ता और अतिथि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अशोक विहार कॉलोनी के स्वास्तिक सत्संग भवन में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता दीनदयाल धाम गोशाला के सचिव विनीत कुमार ने कहा कि आज आवश्यकता बाहरी चुनौतियों के साथ आतंरिक चुनौतियों से निपटने की भी है। ऐसे में अपने परिवार को संस्कारवान बनाना बहुत आवश्यक है। हिंदू सम्मेलन में का शुभारंभ भारत माता के चित्रपट पर दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। देवांशु महाराज ने कहा कि आज हम गीता को तो मानते हैं, लेकिन गीता की नहीं मानते। हमें किसी भी स्थिति में धर्म को नहीं छोड़ना है। डॉ. भारती चौधरी ने कहा कि माता पिता को अपने बच्चों का उसी तरह पालन-पोषण करना चाहिए, जो उनके लिए उचित हो। माता पिता को बच्चों की जिद के आगे कमजोर नहीं पड़ना चाहिए। राकेश शर्मा ने अतिथियों का परिचय कराया। संचालन विद्यासागर गौतम ने किया। केशव ने गणगीत और महानगर कार्यवाह मनोज कुमार संघ गीत ने सुनाया। महिला संकीर्तन मंडली ने भजन सुना कर वातावरण को आध्यात्मिक कर दिया।

सम्मेलन अध्यक्ष पीके पांडे ने आभार जताया। इस मौके पर पार्षद संजय अग्रवाल, महानगर कार्यवाह विजय बंटा, ब्रजेश चतुर्वेदी, अशोक शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, अंकित शर्मा, उपेंद्र त्रिपाठी, द्वारिका, जगदीश कटारा, नीरज पचौरी तथा शिवकुमार आदि मौजूद थे।

राजीव एकेडमी के एमसीए विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता की महत्ता को समझा

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के एमसीए विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में सहभागिता कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के व्यावहारिक आयामों को करीब से समझा। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक सिद्ध हुआ। समिट में देश-विदेश के तकनीकी विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और नीति निर्माताओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और उभरती डिजिटल तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की। विभिन्न तकनीकी सत्रों, पैनल चर्चाओं और लाइव डेमो के

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के शैक्षणिक भ्रमण पर राजीव एकेडमी के विद्यार्थी।

माध्यम से विद्यार्थियों को यह जानने का अवसर मिला कि एआई शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्त, कृषि और उद्योग जैसे क्षेत्रों में किस प्रकार परिवर्तन ला रहा है। विद्यार्थियों ने एआई आधारित स्टार्टअप्स, शोध अवसरों और भविष्य की नौकरियों के संबंध में विशेषज्ञों से सीधे संवाद किया। साथ ही प्रदर्शनी में प्रस्तुत अत्याधुनिक एआई उत्पादों और नवाचारों को देखकर उन्हें

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के शैक्षणिक भ्रमण को बताया उपयोगी

सैद्धांतिक ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग की समझ मिली। कई छात्रों ने कहा कि इस अनुभव से उनके करियर लक्ष्य अधिक स्पष्ट हुए हैं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों की समझ को गहराई प्रदान करते हैं। वहीं संस्थान प्रबंधन ने भी विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए भविष्य में ऐसे कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

निजी वाहनों का अड्डा बना रोडवेज बस स्टैंड

सरकारी बसों के अभाव में निजी वाहन होते हैं खड़े

सोमवार को रोडवेज बस स्टैंड परिसर में खड़े निजी मालवाहक वाहन और बैंड बाजा की ठेल।

संवाददाता
यूनिक समय, फरह (मथुरा)। परिवहन निगम के अधिकारियों की अनदेखी से कस्बा का बस स्टैंड प्राइवेट वाहनों का ठिकाना बन गया है। 24 घंटे बस स्टैंड परिसर में निजी और माल ढोने वाले वाहन खड़े रहते हैं। बैंड बाजा की ठेल भी खड़ी होती है। ईंट उतारने के अलावा ट्रांसपोर्ट कंपनियां का सामान भी यहां उतारा जाता है।

खड़ी रहती हैं बैंड बाजा की ठेल

उतारा जाता है ईंट व ट्रांसपोर्ट का सामान

कस्बा का बस स्टैंड इन दिनों बदहाल है। रोडवेज बसों के नहीं आने से यहां मनमानी का राज चल रहा है। हर समय यहां निजी मालवाहक वाहन खड़े देखे जा सकते हैं। बैंड बाजा की ठेल भी खड़ी होती है। सुबह से शाम तक बस स्टैंड परिसर में ईंट उतारने का काम होता है तो व्यापारियों का माल भी ट्रकों से यहीं उतारा जाता है। कई लाख रुपये से रोडवेज बस स्टैंड का सुंदरीकरण सरकार ने बीते साल में कराया है। इसके बाद भी रोडवेज अधिकारी यहां सरकारी बसों को नहीं ला सके। अधिकारियों की अनदेखी से अब बस स्टैंड बदहाल हो रहा है।

गंदगी के ढेर लगने लगे हैं। बीते दिनों एआरएम मदन मोहन शर्मा के निरीक्षण के दौरान जेसीबी से यहां सफाई भी कराई गई थी, लेकिन फिर से नगर पंचायत ने यहां डलावघर बना दिया है, निजी माल ढोने वाले वाहनों का कूड़ा भी बस स्टैंड परिसर में पड़ा रहता है।

वहीं रोडवेज अधिकारी दावा करते हैं कि बस स्टैंड परिसर से होकर ही मथुरा से आगरा जाने वाली बसें निकल रही है, लेकिन हकीकत में ऐसा कुछ भी नहीं होता है। बस नहीं मिलने से स्थानीय लोग आगरा और मथुरा के लिए टेंपो और डग्गामार वाहनों से यात्रा करते हैं।

अधिकारी की बात

बीते दिनों रोडवेज बस स्टैंड का निरीक्षण किया गया था। ऑपरेटर को साफ-सफाई के लिए निर्देशित किया गया था। अब निजी वाहन वहां खड़े हो रहे हैं तो जानकारी कराई जाएगी, ऑपरेटर भी पर भी कार्रवाई की जाएगी। रोडवेज बसों को नीचे से ही निकाला जा रहा है। ऐसा नहीं हो रहा है तो जानकारी कर संबंधित चालक-परिचालक पर जुर्माना लगाएंगे।

— मदन मोहन शर्मा, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक।

वृन्दावन में 27 फरवरी से होगा अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृंदावन। कुम्भ मेला क्षेत्र, देवराहा बाबा घाट पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन 27 फरवरी से होगा। तीनों दिन योग, आयुर्वेद और आध्यात्मिकता का वैश्विक संगम वृन्दावन बनेगा। महोत्सव का आयोजन एस.एम. योग रिसर्च इंस्टीट्यूट के बैनर तले किया जा रहा है। इसका उद्देश्य योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करना है। संस्थान के प्रबंधक एवं कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष आचार्य डॉ. धर्मनाथ शास्त्री, संस्थान के सचिव एवं अंतरराष्ट्रीय योगगुरु डॉ. बालमुकुंद शास्त्री, वेणु गोपाल, डॉ. बालकृष्ण शास्त्री (नेचुरोपैथ), राधा किनकरी तथा सुमित आदि उपस्थित थे। उद्घाटन दिवस की थीम "योग एवं अनुशासनः शरीर, श्वास और संतुलन" निर्धारित की गई है। इस दिन योग सत्र, ध्यान, पैनल चर्चा, शोध-पत्र प्रस्तुति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। सायंकाल यमुना आरती एवं विश्व शांति हेतु हवन का आयोजन विशेष आकर्षण रहेगा। 28 फरवरी की थीम "भक्ति एवं उपचार - प्रेम और आंतरिक परिवर्तन" रहेगी। प्रातःकालीन पारंपरिक योग एवं प्राणायाम सत्रों के पश्चात आयुर्वेद, योग चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा एवं समग्र स्वास्थ्य पर कार्यशालाएँ आयोजित की जाएँगी।

देश-विदेश के योगाचार्य जुटेंगे

वशेष रूप से आध्यात्मिक होली उत्सव एवं भक्ति संध्या कार्यक्रम महोत्सव का प्रमुख आकर्षण होंगे। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, कीर्तन एवं शास्त्रीय नृत्य सम्मिलित रहेंगे। तृतीय दिवस वैश्विक एकता एवं समन्वय" विषय पर केंद्रित रहेगा।

बीएसए कॉलेज में नागरिक सुरक्षा के प्रशिक्षण शिविर का समापन

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी नियंत्रक नागरिक सुरक्षा चन्द्र प्रकाश सिंह के मार्गदर्शन में बाबू शिवनाथ अग्रवाल डिग्री कॉलेज में वार्डनों एवं स्वयंसेवकों के लिए आयोजित सात दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का सोमवार को सजीव प्रदर्शन के साथ समापन हुआ।

नागरिक सुरक्षा निदेशालय, लखनऊ से अधिकारी सुमित मौर्य आए। 17 फरवरी से प्रारंभ हुए विशेष शिविर में स्वयंसेवकों को आपदा के समय 'प्रथम रक्षक' की भूमिका निभाने हेतु तैयार किया गया। संचालन अपर जिलाधिकारी/प्रभारी अधिकारी नागरिक सुरक्षा नन्द प्रसाद मौर्य के नेतृत्व में किया गया।

समापन बीएसए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने प्रशिक्षित स्वयंसेवकों के सेवा भाव की सराहना की। इस दौरान चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल, डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल, जिला आपदा विशेषज्ञ पूजा राना एवं सहायक उप नियंत्रक नीरज श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों को भविष्य में सक्रिय सेवा हेतु प्रोत्साहित किया।

मास्टर ट्रेनर द्वारा आपदा प्रशिक्षण के अंतिम चरण में पूर्व उप

बीएसए कॉलेज में नागरिक सुरक्षा के प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण देते अधिकारी।

स्वयंसेवकों को 'मॉक ड्रिल' के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया

नियंत्रक जसवंत सिंह एवं पोस्ट वार्डन व मास्टर ट्रेनर इं. अशोक यादव ने स्वयंसेवकों को विभिन्न आपातकालीन स्थितियों का 'मॉक ड्रिल' के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। सीनियर स्टाफ ऑफिसर दीपक चतुर्वेदी, डिविजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी और डिप्टी डिविजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल ने भी अपने अनुभव साझा किए।

यादव महासभा ने फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में दिया ज्ञापन

फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में अखिल भारतीय महासभा के पदाधिकारी पहुंचे डीएम कार्यालय।

कार्यालय संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय यादव महासभा ने आज फिल्म यादवजी की लव स्टोरी के रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर जिला अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। अखिल भारतीय यादव महासभा के जिला अध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल फिल्म यादवजी की लव स्टोरी के रिलीज होने पर रोक लगाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंचा। लोगों ने जिलाधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि यादव समाज का देश के

फिल्म के रिलीज होने पर प्रतिबंध लगाने की मांग

सामाजिक, राजनैतिक एवं सैन्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे में किसी भी फिल्म या माध्यम से समाज की छवि को नकारात्मक रूप से प्रस्तुत करना अस्वीकार्य है। इस मौके पर हरिओम यादव, अजय यादव, संजय यादव, रामबीर यादव, पवन कुमार यादव, सत्यदेव यादव, भीकचंद यादव, शैलेंद्र कुमार, सुधांशू यादव, देवेंद्र यादव, अमित यादव, चंदन यादव तथा सोनू यादव आदि मौजूद थे।

चलती ट्रेन में हो रही वारदात रोकने के लिए बना सुपर थ्री

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा /झांसी। ट्रेनों में बढ़ रही वारदातों को रोकथाम के लिए विशेष टीम बनाई गई है। इसमें आरपीएफ के विशेष 34 तेज तर्रार कर्मचारियों को शामिल किया गया है। यह टीम झांसी से मथुरा के बीच रेल ट्रैक की निगरानी रखेगी। इसमें पांच निरीक्षक, चार उपनिरीक्षक, तीन एएसआई, 5 हेड कांस्टेबल समेत 17 कांस्टेबल शामिल किए गए हैं। वारदात होने पर इनको तत्काल से कार्रवाई शुरू करना होगा। इसमें एनसीआर जोन के तीनों रेल मंडल शामिल हैं।

जीवन में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन जरूरी

रैली निकालने से पहले कॉलेज में खड़ी विद्यार्थी शिक्षकों के साथ।

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन परिसर की साफ सफाई के साथ सड़क सुरक्षा विषय पर जन जागृति रैली ब्लैक स्टोन गर्ल्स इंटर कॉलेज से सदर बाजार होते हुए कृष्णापुरी चौराहे तक निकाली गई। संध्या बौद्धिक सत्र में सड़क सुरक्षा विषय के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ब्लैक स्टोन गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या रश्मि सिंह तथा मुख्य वक्ता समाजशास्त्र प्रभारी प्रो राजेश अग्रवाल ने जीवन में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अनिवार्यता बताई। उन्होंने दो पहिया वाहनों पर हेलमेट का प्रयोग एवं चार पहिया वाहनों पर सीट बेल्ट का प्रयोग अपने एवं अपने परिवार के लिए बहुत जरूरी बताया। अन्य वक्ताओं में लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक, डॉ अजय उपाध्याय तथा शहरी बाबू ने व्यक्तित्व विकास विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी उदाहरण के माध्यम से प्रदान की। संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ अशोक कुमार कौशिक ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ नवीन अग्रवाल ने आभार जताया।

एनएसएस इकाइयों के सात दिवसीय शिविर का समापन

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं।

मुख्य संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। आर.सी.ए. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कल्याणं करोति संस्था में आयोजित सात दिवसीय शिविर का समापन छात्रों के विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। सांस्कृतिक सत्र में तनु, नंदनी, शगुन, पायल, कोमल सोनी, नंदनी कुमारी, पिंकी, कविता, निकिता एवं वंशिका ने सरस्वती वंदना, राम स्तुति, लोक नृत्य, युगल नृत्य, एकल नृत्य, समूह नृत्य एवं गायन प्रस्तुत किया। अतिथि श्रीमती बृजेश शर्मा तथा प्राचार्या प्रो.अंजूबाला अग्रवाल ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला।

कहा कि इस प्रकार के शिविर छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में भारती सागर, मंजू दलाल, सीमा शर्मा, सुषमा अग्रवाल, नेहा सक्सेना, राजेश वर्मा, श्रीमती पूजा पालीवाल, श्रीमती अनुष्का सिंह, शगुन गौतम, पायल, प्रतिभा, सोनम यादव, हरिश्चंद्र एवं श्रीमती गुड़िया आदि मौजूद थी।

कन्या सुमंगला योजना में 31 हजार लोगों को मिल रहा है लाभ

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में जनपद के 31 हजार लाभार्थियों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। इस योजना का लाभ लाभार्थियों को छह श्रेणी में दिया जा रहा है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत शहरी और ग्रामीण इलाकों में इस योजना में लाभ पाने वाले पात्र आवेदक द्वारा अपने आवेदन ऑनलाइन भरे जाते हैं। इन आवेदनों की शहरी क्षेत्र में एसडीएम और ग्रामीण इलाकों की ब्लॉक स्तर से जांच की जाती है। जांच

कन्या के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई तक मिल रहे 25 हजार

योजना में लाभार्थियों का ऑनलाइन आवेदन जरूरी

होने के उपरांत आवेदन उनके कार्यालय में आते है और यहां से सीधे लखनऊ भेज दिए जाते हैं। लखनऊ से सभी अवेदकों के खाते में सीधा पैसा भेजा जाता है। उन्होंने बताया कि इस योजना में पांच श्रेणियां है। प्रथम श्रेणी में कन्या के जन्म पर पांच हजार रुपये। द्वितीय श्रेणी में एक वर्ष तक का टीका करण पूर्ण होने पर लाभार्थी को दो हजार रुपये। तृतीय श्रेणी में बच्ची के कक्षा एक में प्रवेश पर तीन हजार रुपये। चतुर्थ श्रेणी में कक्षा छह में प्रवेश पर तीन हजार रुपये और पंचम श्रेणी में कक्षा नौ में प्रवेश पर पांच हजार रुपये और षष्टम श्रेणी में दसवीं अथवा 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर दो साल अथवा अधिक अवधि का डिप्लोमा करने अथवा स्नातक में प्रवेश पर सात हजार रुपये लाभार्थियों को दिया जाता है। प्रोवेशन अधिकारी ने बताया कि योजना में बच्चे और आवेदक का फोटो, बैंक खाते का विवरण, निवास प्रमाणपत्र के साथ ही श्रेणीवार जन्म प्रमाणपत्र, टीकाकरण कार्ड विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश का प्रमाणपत्र के साथ आवेदक का आधार जरूरी है। इस योजना में जनपद के 31 हजार लाभार्थियों को इन श्रेणियों में लाभ दिया जा रहा है।

संस्कारों की सीख से संवारें भविष्य,नई पीढ़ी बने उज्जवल और प्रेरणादायक

यूनिक समय, मथुरा। बच्चों को अच्छे संस्कार देना उनके उज्ज्वल भविष्य और समाज के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक है। संस्कार वे मूल्य और आदतें हैं जो उनके व्यक्तित्व को संवारते हैं और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। आजकल की तेज़ रफ्तार जिंदगी में बच्चों को नैतिक शिक्षा देना चुनौतीपूर्ण हो गया है, लेकिन सही दिशा–निर्देशन से यह कार्य संभव है।

सकारात्मक वातावरण : बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। माता–पिता और परिवार के अन्य सदस्य यदि प्रेम, सहानुभूति, और नैतिकता का व्यवहार करेंगे, तो बच्चे भी इन्हीं गुणों को आत्मसात करेंगे। घर में पारिवारिक मूल्य, सद्भाव और सहयोग की भावना होनी चाहिए।

नैतिक कहानियों और धार्मिक ग्रंथों का महत्व: बच्चों को पंचतंत्र, हितोपदेश, रामायण, महाभारत और अन्य नैतिक शिक्षा देने वाली कहानियाँ सुनाएं। ये कहानियाँ बच्चों में नैतिकता, परोपकार, ईमानदारी और अनुशासन की भावना विकसित करती हैं।

अच्छे आचरण की आदत डालें: बच्चों को नम्रता, आदर, धैर्य, और सहनशीलता सिखाना बेहद जरूरी है। उन्हें 'धन्यवाद', 'कृपया' और 'क्षमा करें' जैसे शब्दों का सही प्रयोग करना सिखाएं।

सही संगति का ध्यान रखें : बच्चे जिस माहौल में रहते हैं, वही उनकी सोच और व्यवहार को प्रभावित करता है। माता–पिता को ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे किन लोगों के साथ समय बिता रहे हैं और उनका प्रभाव सकारात्मक है या नहीं।

सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी : बच्चों को सामाजिक कार्यों, जैसे वृद्धाश्रम, अनाथालयों में सेवा, जरूरतमंदों की मदद और स्वच्छता अभियानों में शामिल करें। इससे उनमें सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होगा।

अनुशासन और आत्मनिर्भरता की शिक्षा : बच्चों को अनुशासन में रहना सिखाएं, जैसे समय पर उठना, पढ़ाई करना, और जिम्मेदारियों को निभाना। उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करें, ताकि वे अपने फैसले खुद ले सकें।

डिजिटल युग में संतुलन : आज के समय में बच्चों को डिजिटल दुनिया में भी संस्कारवान बनाना जरूरी है। उन्हें इंटरनेट और सोशल मीडिया के सही उपयोग की शिक्षा दें और अनावश्यक स्क्रीन टाइम से बचाएं।

संस्कार किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व को निखारने का आधार होते हैं। यह माता–पिता, परिवार और समाज की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को सही मार्ग दिखाएं। उचित शिक्षा, अनुशासन और सही संगति से बच्चे एक संस्कारित और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

क्या आप भी धूप में से आकर पीते हैं फ्रिज का ठंडा पानी?

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में अधिक तापमान में ठंडा पानी पीना लोगों को गर्मी से राहत दिलाता है। गर्मियों में हाइड्रेट रहने के लिए लोग लिक्विड ड्रिंक का सेवन करते हैं, जिसमें साधारण पानी के साथ ही लोग लस्सी, जूस और नारियल पानी समेत तरह तरह के ड्रिंक्स का सेवन करते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, हाइड्रेटेड रहने के लिए कम से कम आठ से 10 गिलास पानी पीना बेहद जरूरी होता है। लेकिन पानी पीते समय उसके सही तापमान का होना भी जरूरी है। पानी के तापमान का असर स्वास्थ्य पर होता है। गर्मियों में लोग ठंडा पानी पीने की इच्छा से फ्रिज का पानी पीते हैं। प्यास बुझाने और थकावट दूर करने के लिए लोग कभी भी ठंडा पानी पी लेते हैं, इससे भले ही कुछ देर के लिए गर्मी से राहत मिल जाती है लेकिन इसका नुकसान भी बहुत होता है। आयुर्वेद में ठंडे पानी को सेहत के लिए नुकसानदायक बताया गया है। खासकर फ्रिज का चिल्ड वाटर बिल्कुल भी नहीं पीना चाहिए। धूप से आकर, एक्सरसाइज के बाद या खाने के

बाद ठंडा पानी पीने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है। अगर आप भी गर्मियों में गलत समय और गलत तरीके से ठंडे पानी का सेवन करते हैं तो जान लें इससे सेहत को होने वाले नुकसान के बारे में। शरीर किसी भी पदार्थ को अपने तापमान पर लाता है, जिसे वह आगे पाचन के लिए भेजता है लेकिन बहुत कम तापमान की चीजों का सेवन करने से शरीर उसे अपने तापमान के मुताबिक करने लगता है, जिससे डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और अपच की समस्या हो जाती है। पेट में ठंडा पानी डाइजेस्टिव सिस्टम को प्रभावित करता है। रिसर्च के मुताबिक, ठंडा पानी ब्लड वेसल्स को सिकोड़ देता है, जिससे पाचन की समस्या हो जाती है। अक्सर गला खराब होने या आवाज बदलने पर बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि जरूर ठंडा पानी पी लिया होगा। यह सही भी है, ठंडा पानी पीने से गले में खराश हो जाती है। फ्रिज में निकालकर ठंडा पानी पीने से ऐसी समस्या होना आम बात है। वहीं अगर आप भोजन के बाद ठंडा पानी पी लेते हैं तो बलगम बनने लगता है और सांस लेने के रास्ते ब्लॉक हो जाते है।

जिससे गले में खराश, बलगम, जुकाम और गले में सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं ठंडे पानी का सेवन आपके शरीर का हार्ट रेट भी कम कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक, फ्रिज का ज्यादा ठंडा पानी पीने से दसवीं कपाल

ठंडे पानी से सेहत को हो सकते हैं ये नुकसान

तंत्रिका (वेगस नर्व) स्टिम्युलेट हो जाती है। शरीर के अनैच्छिक कार्यों को नियंत्रित करने का काम नर्व ही करती है। कम तापमान के पानी का असर सीधे वेगस नर्व पर होता है, जिससे हार्ट रेट कम हो जाती है। धूप से आने के तुरंत बाद अगर आप बहुत ठंडा पानी या बर्फ का पानी पी लेते हैं तो ब्रेन फ्रीज हो सकता है। ठंडे पानी का सेवन आपकी रीढ़ की कई नसों को ठंडा कर सकता है, जिसका असर मस्तिष्क पर होता है और सिर दर्द होने लगता है। साइनस की समस्या से ग्रसित लोगों के लिए यह स्थिति मुसीबत बढ़ा सकती है। जो लोग अपना वजन कम करना चाहते हैं, उन्हें ठंडे पानी का सेवन नहीं करना चाहिए। ठंडे पानी के कारण शरीर में मौजूद फैट को बर्न करना मुश्किल हो जाता है। फ्रिज के पानी से शरीर का फैट सख्त हो जाता है, जिसकी वजह से वसा को कम करने में समस्या आती है और वजन कम नहीं होता।

सेहत के लिए फायदेमंद है करेला

यूनिक समय, नई दिल्ली। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बेहतर सेहत के लिए पोषणयुक्त खानपान की सलाह देते हैं। इसके लिए ताजी सब्जियां, फल, नट्स आदि को सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। खानपान की कई सामग्रियों में औषधीय गुण भी होते हैं।

अक्सर बड़े बुजुर्ग ताजी सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इम्यूनिटी मजबूत होती है और कई रोगों से बचाव होता है। पौष्टिक सब्जियों की जब बात आती हैं तो करेला को काफी असरदार बताया जाता है। करेला वजन कम करने के साथ ही कोलेस्ट्रॉल स्तर को भी घटाता है। वहीं हार्ट रेट के लिए भी अच्छा है। करेला के सेवन के कई सारे फायदे हैं लेकिन सही तरीके से इसका सेवन न करना नुकसानदायक भी हो सकता है। करेले के साथ कुछ चीजों के सेवन की सख्त मनाही होती है। औषधीय गुणों से युक्त करेला कुछ खाद्य सामग्रियों के साथ मिलकर जहर जैसा काम कर सकता है।

करेला सेहत के लिए फायदेमंद है तो वहीं दूध भी बेहद पौष्टिक होता है लेकिन अगर आप करेला और दूध को एक साथ खाने की सोच रहे हैं तो इसका प्रभाव उल्टा पड़ सकता है। कभी भी करेला खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। इससे पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। करेला के बाद दूध का सेवन करने से कब्ज, दर्द और जलन हो सकती है। मूली की तासीर

करेला की तासीर से अलग अलग होती है। इसलिए कभी भी करेला खाने के बाद मूली या मूली से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। मूली और करेला साथ खाने से गले में कफ और एसिडिटी की शिकायत हो सकती है। करेले की सब्जी या जूस आदि के बाद दही का सेवन नहीं करना चाहिए। करेला और दही साथ खाने से त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके साथ उपयोग से स्किन रैशेज होने की संभावना रहती है। भिंडी और करेले की सब्जी का सेवन भी साथ नहीं करना चाहिए।

करेला और भिंडी दोनों का एक साथ सेवन अपच की शिकायत कर सकता है। करेला के साथ भिंडी को पचाने में दिक्कत हो सकती है। अगर आप गर्मी के मौसम में करेला की सब्जी के साथ या बाद में आम का सेवन करते हैं तो यह फायदा पहुंचाने के बजाए नुकसानदायक हो जाता है। करेले को पचने में समय लगता है, वहीं आम का पाचन भी देर से होता है। ऐसे में करेला और आम का सेवन साथ करने से उल्टी, जलन, मिलती और एसिडिटी की दिक्कत हो सकती है।

खुलकर बोलें, आत्मविश्वास से अपनी आवाज को मजबूत बनाएं

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के दौर में लोगों के पास बोलने के कई मंच हैं–सोशल मीडिया, न्यूज़ प्लेटफॉर्म, और व्यक्तिगत बातचीत। फिर भी, अधिकतर लोग खुलकर अपनी राय रखने से घबराते हैं। आखिर इसकी वजह क्या है?

सामाजिक दबाव और डर : अधिकतर लोग इस डर से खुलकर नहीं बोलते कि कहीं उनकी बातों को नकारात्मक रूप से न लिया जाए। वे सोचते हैं कि उनके विचारों की वजह से लोग उन्हें जज करेंगे या आलोचना करेंगे।

असहमति का भय: विचारों का मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन कुछ लोग टकराव से बचने के लिए अपनी बात नहीं रखते। उन्हें डर होता है कि उनकी

राय के कारण रिश्ते खराब हो सकते हैं।

अस्वीकृति और ट्रोलिंग : डिजिटल युग में ट्रोलिंग एक बड़ी समस्या बन गई है। सोशल मीडिया पर लोग खुलकर अपनी बात कहने से कतराते हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि उन्हें ऑनलाइन ट्रोल किया जाए या उनकी छवि खराब हो।

आत्मविश्वास की कमी : कई लोग खुद पर भरोसा नहीं कर पाते और सोचते हैं कि उनकी बात का कोई महत्व नहीं है। आत्म–संदेह उनके विचारों को खुलकर व्यक्त करने में बाधा डालता है।

सांस्कृतिक और पारिवारिक प्रभाव: हमारे समाज और परिवार का प्रभाव भी हमें खुलकर बोलने से रोकता है। बचपन से ही कुछ लोग सिखाए जाते हैं कि अपनी राय रखना असभ्य या अनुचित हो सकता है।

समाधान क्या है?

आत्मविश्वास बढ़ाएं- अपने विचारों को तार्किक रूप से प्रस्तुत करने की आदत डालें।

सकारात्मक आलोचना स्वीकार करें- हर कोई आपकी राय से सहमत नहीं होगा, लेकिन स्वस्थ चर्चा को अपनाएं।

सही मंच चुनें- जहां जरूरी हो, वहीं अपनी बात रखें और सोच–समझकर शब्दों का चुनाव करें।

ज्ञान बढ़ाए-किसी भी विषय पर बोलने से पहले खुद को पूरी तरह तैयार करें, ताकि आपकी बात प्रभावशाली लगे। खुलकर बोलने की कला विकसित करना जरूरी है, क्योंकि यही स्वतंत्रता व्यक्तित्व और समाज को मजबूत बनाती है।

सुविचार

"हर कठिनाई एक नई शुरुआत का संकेत होती है।"

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	01:46-12:40 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	कृत्तिका	02:32-02:15 तक	माह	फाल्गुन	
सूर्योदय		06:56 AM	चन्द्रोदय	11:18 AM	
सूर्यास्त		06:23 PM	चंद्रास्त	01:30 PM	
सूर्य राशि		कुंभ राशि	चंद्र	वृषभ राशि	
शुभ मुहूर्त		12:08PM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:083-06:11	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082	
राहुकाल		03:31 PM:457 PM	वार	मंगलवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

शिव का अर्धनारीश्वर स्वरूप और विषुव

संतुलन का अद्भुत संगम

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनातन धर्म में विषुव का विशेष महत्व है, क्योंकि यह न केवल एक महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है, बल्कि इसे भगवान शिव के अर्धनारीश्वर रूप से भी जोड़ा जाता है। विषुव के दिन दिन और रात लगभग बराबर होते हैं, जो संतुलन और समरसता का प्रतीक माने जाते हैं।

पृथ्वी की धुरी झुकी होने के कारण दिन और रात हमेशा एक समान नहीं होते। गर्मियों में दिन लंबे और रातें छोटी होती हैं, जबकि सर्दियों में इसका उलटा होता है। लेकिन साल में दो बार–वसंत (मार्च) और शरद (सितंबर) में–दिन और रात लगभग बराबर हो जाते हैं। इसे ही विषुव कहा जाता है। 2026 में वसंत विषुव 20 मार्च को पड़ रहा है, जब सूर्य भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर होता है और पृथ्वी पर प्रकाश समान रूप से वितरित होता है।

सनातन धर्म में विषुव को भगवान शिव के अर्धनारीश्वर स्वरूप से जोड़ा जाता है। यह रूप आधे शिव और आधे

शक्ति (पार्वती) का दिव्य संलयन है, जो पुरुष और स्त्री दोनों ऊर्जाओं का प्रतिनिधित्व करता है। विषुव का संतुलन प्रकृति के इसी सिद्धांत को दर्शाता है, जिसमें सृष्टि की मूल शक्तियाँ–स्त्री और पुरुष ऊर्जा–समान रूप से प्रभावशाली होती हैं।

शरीर में ऊर्जा संतुलन और आध्यात्मिक महत्व : योग और ध्यान के अनुसार, हमारे शरीर में तीन मुख्य नाड़ियाँ होती हैं–इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना। इड़ा स्त्री ऊर्जा का और पिंगला पुरुष ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है। विषुव के दौरान, ये ऊर्जाएँ स्वाभाविक रूप से संतुलित हो जाती हैं, जिससे ध्यान और आध्यात्मिक साधनाएँ अधिक प्रभावी हो जाती हैं। यही कारण है कि विषुव के दिन साधकों को विशेष ध्यान और योग करने की सलाह दी जाती है, ताकि वे आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकें।

भारत के प्राचीन मंदिरों का निर्माण खगोलीय संरेखण को ध्यान में रखकर किया गया था। तिरुवनंतपुरम स्थित प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर इसका एक उदाहरण है। विषुव के दिन, सूर्य की किरणें मंदिर के मुख्य द्वार से होकर गर्भगृह तक पहुँचती हैं और भगवान पद्मनाभ को प्रकाशित करती हैं। यह मंदिर की अद्भुत वास्तुकला और खगोल विज्ञान के ज्ञान का प्रमाण है।

विषुव केवल एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह संतुलन, उर्वरता और ऊर्जा के सामंजस्य का प्रतीक है, जिसे भगवान शिव के अर्धनारीश्वर रूप से जोड़ा जाता है। इस दिन ध्यान, योग और आध्यात्मिक साधनाओं से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का उत्तम अवसर होता है।

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 27 फरवरी, दिन शुक्रवार: आमलकी एकादशी
- 1 मार्च, दिन रविवार: रवि प्रदोष व्रत
- 3 मार्च, दिन मंगलवार: फाल्गुन पूर्णिमा
- 4 मार्च, दिन बुधवार: होली
- 6 मार्च, दिन शुक्रवार: भालचन्द्र संकष्टी
- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि : किसी बाहरी इंसान पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक साबित होगा, यदि आपने किसी संपत्ति में निवेश कर रखा है तो वहां से लाभ होने की संभावना है।

वृष राशि : कामकाजी लोगों को नई संपत्ति खरीदने का शानदार मौका मिलेगा, यदि आप किसी से रिश्ता जोड़ने की सोच रहे हैं तो कदम उठाना इस वक्त ठीक रहेगा।

मिथुन राशि : त्वचा से जुड़ी समस्याओं से युवाओं को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी, इसके अलावा मेंटल हेल्थ में सुधार होगा, लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक नहीं रहेगी।

कर्क राशि: घर में चल रहे क्लेश का कुछ समय के लिए अंत होगा, आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयास सफल होंग।

सिंह राशि : किसी बाहरी इंसान पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक साबित होगा. यदि आपने किसी संपत्ति में निवेश कर रखा है तो वहां से लाभ होने की संभावना है, लव लाइफ के नजरिए से ये दिन ठीक रहेगा।

कन्या राशि : घरवालों का साथ मिलने से मुश्किल समय को आप आसानी से पार कर लेंगे, इसके अलावा अपनी सेहत पर ध्यान देंगे और खुश रहने का निर्णय लेंगे, हालांकि, आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं रहेगी।

तुला राशि : सोच-समझकर लिए गए कारोबारी फैसले लाभ पहुंचाएंगे, अगर आप नई संपत्ति या किसी और जगह निवेश करने की सोच रहे हैं तो उसके लिए सोमवार का दिन लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक राशि : बीमारियों से छुटकारा मिलने के कारण तरोताजा महसूस करेंगे, रिश्ता जोड़ने का फैसला करना इस वक्त बहुत अच्छा रहेगा. आर्थिक स्थिति में गिरावट आ रही है तो वक्त बदलेगा।

धनु राशि : भाग्य का साथ मिलने से बुरा समय खत्म हो जाएगा, आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे, लव लाइफ में चल रहे तनाव से कुछ समय के लिए राहत मिलेगी।

मकर राशि : सोच-समझकर लिए गए कारोबारी फैसले लाभ पहुंचाएंगे, अगर आप नई संपत्ति या किसी और जगह निवेश करने की सोच रहे हैं तो उसके लिए दिन लाभदायक रहेगा।

कुंभ राशि : पिता की सेहत में सुधार होने से युवाओं को मानसिक शांति मिलेगी, साथ ही भागदौड़ कम करनी पड़ेगी, आर्थिक स्थिति और लव लाइफ की बात करें तो उसे लेकर तनाव नहीं रहेगा।

मीन राशि : मीन राशि वालों का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार और प्रेम में खुशियां रहेंगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, लेकिन आराम लें।

अगर आपकी कुंडली में है दरिद्र योग तो करें ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। जब किसी व्यक्ति का जन्म होता है, तो उसकी कुंडली में कई ऐसे योग बनते हैं, जिससे उसे अच्छे फल और बुरे फल की प्राप्ति होती है।

ज्योतिष शास्त्र में ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति का भाग्य उसकी कुंडली में लिखा होता है। अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में कोई समस्या है, तो उसके जीवन में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होने लग जाती है। वहीं अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में शुभ योग होता है, तो वह व्यक्ति जीवन में हमेशा तरक्की करता है। उसे धन और यश की भी प्राप्ति होती है। लेकिन वहीं अगर अशुभ योग बनें, तो व्यक्ति का सारा जीवन संघर्ष में ही बीत जाता है। जिसे दरिद्र

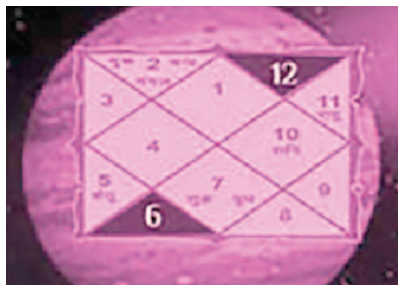

योग कहा जाता है। अब ऐसे में किसी व्यक्ति की कुंडली में दरिद्र योग है, तो उसके लिए कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें करने से व्यक्ति को दरिद्र योग से मुक्ति मिल जाती है।

जब शुभ ग्रह किसी भी अशुभ ग्रह सते संपर्क में आता है, तो उससे दरिद्र योग का निर्माण होता है। वहीं जब देव गुरु बृहस्पति 6 से 12वें भाव में बैठे होते हैं, तो इस योग का निर्माण होता है।

घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनवाना चाहिए। इससे आप दरिद्र योग के अशुभ प्रभाव से बच सकते हैं। हमेशा अपने माता–पिता का सम्मान करना चाहिए।

अपने मध्यमा अंगुली में तीन धातु का छल्ला अवश्य पहनना चाहिए या फिर आप तीन धातु का कड़ा भी पहन सकते हैं। दरिद्र योग से बचने के लिए गजेंद्र मोक्ष का पाठ करें। गीता के11 अध्याय का पाठ करने से दरिद्र योग का नाश होता है।

रात में बच्चों के कपड़े बाहर सुखाने से क्यों बचना चाहिए?

यूनिक समय, मथुरा। रात के समय बच्चों के कपड़ों को बाहर नहीं सुखाना चाहिए। हालांकि यह बात आपको सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे ज्योतिषीय, धार्मिक और वैज्ञानिक कारण बताए जाते हैं। वहीं यह परंपरा क्यों प्रचलित हैं और इसके पीछे क्या मान्यता है।

भारतीय परंपराओं में कई ऐसी बातों का जिक्र किया गया है, जिनका आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दोनों आधार होते हैं। इन्हीं में से एक मान्यता यह है कि रात के समय बच्चों के कपड़ों को बाहर नहीं सुखाना चाहिए। हालांकि यह बात आपको सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन इसके पीछे ज्योतिषीय, धार्मिक और वैज्ञानिक कारण बताए जाते हैं। वहीं यह परंपरा क्यों प्रचलित हैं और इसके पीछे क्या मान्यता है। ऐसे में

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि बच्चों के कपड़े रात के समय बाहर क्यों नहीं सुखाने चाहिए।

नकारात्मक प्रभाव: हिंदू धर्म में माना जाता है कि रात के समय निगेटिव शक्तियां काफी सक्रिय रहती हैं। ऐसे में बच्चों के कपड़े बाहर सुखाने पर उन पर बुरी शक्तियां या फिर नकारात्मक ऊर्जा का असर हो सकता है। जोकि बच्चे के स्वास्थ्य और जीवन पर भी बुरा असर डाल सकता है।

नजर दोष और बुरी शक्तियां : बच्चों को जल्दी ही बुरी नजर लग जाती है। वहीं रात के समय में नकारात्मक शक्तियां एक्टिव रहती हैं। इसलिए रात के समय बच्चों के कपड़े बाहर डालने पर नकारात्मक शक्तियां हावी हो सकती हैं, जिससे बच्चा बीमार हो सकता है या फिर उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन आ सकता है।

चंद्रमा और ग्रहों का प्रभाव : ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रात के समय चंद्रमा की ऊर्जा काफी ज्यादा प्रभावी होती है। ऐसे में जब बच्चे के कपड़े खुले में पड़े रहते हैं, तो उन पर ऐसी ऊर्जा का प्रभाव हो सकता है। जो बच्चे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

वैज्ञानिक कारण : बता दें कि रात में ओस गिरने की संभावना अधिक होती है, जिसकी वजह से कपड़े गीले हो सकते हैं। कपड़े गीले होने की वजह से उनमें बैक्टीरिया और फंगस पनप सकता। वहीं जब बच्चे ऐसे कपड़े पहनते हैं, तो उनको स्किन संबंधी संक्रमण या एलर्जी हो सकती है।

वहीं रात के समय बाहर कपड़े सुखाने से कीट, मच्छर और अन्य जीव उन पर बैठ सकते हैं। जिसकी वजह से कपड़े दूषित हो सकते हैं। छोटे बच्चों की स्किन काफा संवेदनशील होती है और यह कपड़े पहनाना खतरनाक हो सकता है।

सम्पादकीय

तालाबों की हत्या और शहर की खामोशी

कभी कोटा की पहचान कोचिंग संस्थानों, उद्योगों या कोटा स्टोन से नहीं थी। इसकी असली पहचान थी–पानी की संस्कृति। पहाड़ियों से उतरता वर्षाजल जब रियासतकालीन तालाबों में सहेजा जाता था, तो शहर केवल बसता नहीं था, सांस लेता था। वे तालाब कोटा की धड़कन थे। आज वही धड़कन कमजोर पड़ रही है।

कभी यहां 19 बड़े तालाब थे। वे सिर्फ जलस्रोत नहीं थे, बल्कि बाढ़ नियंत्रण की प्राकृतिक व्यवस्था, भूजल पुनर्भरण का आधार और जैव–विविधता के आश्रय थे। रंगबाड़ी, जौहरा बाई, अनंतपुरा, शिवपुरा, काला तालाब, छत्रपुरा हर नाम अपने भीतर इतिहास और लोकजीवन की स्मृतियां समेटे हुए था। आज स्थिति यह है कि कई तालाबों का अस्तित्व ही खतरे में है। कहीं सीवरेज का गंदा पानी बहाया गया, कहीं फ्लाई ऐश डाली गई, तो कहीं कॉलोनियां काट दी गईं। यह क्षय प्राकृतिक नहीं, नियोजित है।

पवन गौतम
संपादक

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि कुछ तालाबों का रिकॉर्ड तक उपलब्ध नहीं है। जब दस्तावेजों से ही जल–स्मृतियां मिटा दी जाएं, तो जमीन पर उनका बचना कितना संभव है? यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता और राजनीतिक संरक्षण का परिणाम प्रतीत होता है। नगर निकाय, विकास प्राधिकरण, राजस्व और वन विभाग–सभी की आंखों के सामने अतिक्रमण होता रहा। सवाल यह है कि यह चूक थी या मौन सहमति? तालाब केवल पानी भरने के गड्ढे नहीं होते। वे शहर की जल–निकासी प्रणाली हैं। जब हम उन्हें पाटते हैं, तो बारिश में सड़कें डूबती हैं, कॉलोनियां जलमग्न होती हैं और बोरवेल सूख जाते हैं। हर साल का जलप्लावन और बढ़ता तापमान इसी छेड़छाड़ का परिणाम है। हमने कंक्रीट को विकास समझ लिया और प्रकृति को पिछड़ापन। विडंबना देखिए–हम 'स्मार्ट सिटी' का तमगा लिए घूम रहे हैं, पर अपनी जल–स्मृति मिटा रहे हैं। यदि इन तालाबों का पुनर्जीवन हो, तो न केवल भूजल स्तर सुधरेगा, बल्कि हरियाली और पर्यटन की नई संभावनाएं भी जन्म लेंगी। हाड़ौती की सांस्कृतिक आत्मा फिर से सांस ले सकेगी। समाधान कठिन नहीं, केवल इच्छाशक्ति चाहिए। प्रत्येक तालाब का सीमांकन और मैपिंग हो, अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, सीवरेज और औद्योगिक मलबे पर कठोर दंड सुनिश्चित हो। नागरिक समितियों को निगरानी में शामिल किया जाए और दोषियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हों। तालाब बचाना केवल पानी बचाना नहीं है, यह शहर का चरित्र बचाना है। यदि हमने अभी भी अनदेखी की, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे पूछेंगी–कमी पानी की थी या संवेदना की? तब हमारे पास कोई उत्तर नहीं होगा, क्योंकि सूखे तालाबों की तलहटी में हमारी चुप्पी दर्ज होगी।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

विवाह पंजीयन संशोधन: अधिकारों और व्यवस्था के बीच संतुलन की चुनौती

हरिओम शर्मा

भारत एक संघीय लोकतंत्र है, जहां केंद्र और राज्यों के अधिकार स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं, किंतु उनकी कार्यप्रणाली संविधान की मूल भावना से बंधी हुई है। राज्यों को अपने–अपने सामाजिक और प्रशासनिक संदर्भों के अनुरूप कानून बनाने का अधिकार है, परंतु यह अधिकार मौलिक अधिकारों और न्यायपालिका द्वारा स्थापित संवैधानिक मर्यादाओं से ऊपर नहीं हो सकता। हाल ही में गुजरात सरकार द्वारा विवाह पंजीयन प्रक्रिया में प्रस्तावित संशोधन ने इसी संवैधानिक संतुलन को लेकर एक व्यापक बहस को जन्म दिया है।

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, राज्य में विवाह पंजीयन के लिए बालिग जोड़ों को अपने माता–पिता को सूचित करना अनिवार्य होगा। पहली नजर में यह प्रावधान पारिवारिक संवाद और पारदर्शिता को बढ़ावा देने वाला प्रतीत हो सकता है, किंतु संवैधानिक दृष्टि से यह कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है। विशेषकर तब, जब देश में दो बालिग व्यक्तियों को अपनी स्वतंत्र इच्छा से विवाह करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है और इसके लिए किसी तीसरे पक्ष की अनुमति आवश्यक नहीं है।

भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। विवाह करना या न करना, किससे करना, कब करना–ये सभी निर्णय व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता और गरिमा से जुड़े हुए हैं। विभिन्न न्यायिक निर्णयों में स्पष्ट किया जा चुका है कि दो वयस्कों के विवाह में राज्य या परिवार अनावश्यक हस्तक्षेप नहीं कर सकते। ऐसे में यदि विवाह पंजीयन जैसी प्रशासनिक प्रक्रिया में माता–पिता को सूचना देने की बाध्यता जोड़ी जाती है, तो यह अप्रत्यक्ष रूप से वयस्कों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने जैसा प्रतीत हो सकता है। विवाह पंजीयन स्वयं में एक विधिक औपचारिकता है, जिसका उद्देश्य विवाह को कानूनी मान्यता देना और भविष्य में उत्पन्न होने वाले विवादों से सुरक्षा प्रदान करना है। यदि इस प्रक्रिया को अनावश्यक शर्तों से जटिल बनाया जाएगा, तो इससे पंजीयन की प्रवृत्ति घट सकती है। वर्ष 2006 में सर्वोच्च न्यायालय ने विवाह पंजीयन को अनिवार्य बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण दिशानिर्देश जारी किए थे। इन गाइडलाइनों में स्पष्ट किया गया था कि विवाह पंजीयन की प्रक्रिया सरल और सुगम होनी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग अपने विवाह को विधिक रूप से दर्ज करा सकें। सामान्यतः दो गवाहों की उपस्थिति को पर्याप्त माना गया है। ऐसे में यदि कोई राज्य इन दिशा-निर्देशों से हटकर अतिरिक्त शर्तें लागू करता है, तो यह न केवल न्यायपालिका की भावना के विपरीत होगा, बल्कि संघीय समन्वय के सिद्धांत पर भी प्रश्नचिह्न लगाएगा। राज्य सरकारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि प्रशासनिक सुधार संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर ही किए जा सकते हैं।

राज्य सरकार ने यह तर्क दिया है कि विवाह पंजीयन प्रक्रिया में कुछ प्रक्रियात्मक खामियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण यह संशोधन प्रस्तावित किया गया है। यह चिंता पूरी तरह निराधार नहीं मानी जा सकती। फर्जी विवाह प्रमाणपत्र, धोखाधड़ी या अन्य कानूनी विवादों की घटनाएं समय–समय पर सामने आती रही हैं।

परंतु प्रश्न यह है कि क्या दुरुपयोग की आशंका के समाधान के लिए मूल अधिकारों को सीमित करना उचित उपाय है? किसी भी कानून का उद्देश्य संतुलन स्थापित करना होता है–न तो अधिकारों को अनावश्यक रूप से प्रतिबंधित करना और न ही व्यवस्था को अव्यवस्थित होने देना। यदि कुछ लोग प्रणाली का दुरुपयोग कर रहे हैं, तो उसके लिए तकनीकी सुधार, सत्यापन प्रणाली को मजबूत करना, डिजिटल रिकॉर्डिंग, बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं की जा सकती हैं। माता–पिता को सूचना देने की बाध्यता जोड़ना समाधान से अधिक विवाद को जन्म दे सकता है। भारत जैसे समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी निर्णय नहीं, बल्कि अक्सर दो परिवारों का सामाजिक संबंध भी माना जाता है। परंतु बदलते समय के साथ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और स्वायत्तता का महत्व बढ़ा है। अंतर्जातीय, अंतरधार्मिक और प्रेम विवाहों की संख्या में वृद्धि इसी सामाजिक परिवर्तन का संकेत है। यदि पंजीयन प्रक्रिया में माता–पिता को अनिवार्य रूप से सूचित करने का प्रावधान लागू होता है, तो यह उन जोड़ों के लिए कठिनाई का कारण बन सकता है, जो किसी सामाजिक दबाव, पारिवारिक असहमति या सुरक्षा कारणों से स्वतंत्र निर्णय लेना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में यह प्रावधान उनके लिए जोखिमपूर्ण भी हो सकता है। न्यायपालिका ने कई मामलों में ऐसे जोड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

विवाह पंजीयन का उद्देश्य प्रक्रिया को सरल बनाना है, न कि उसे जटिल करना। यदि माता–पिता को सूचना देने की बाध्यता लागू होती है, तो यह स्पष्ट करना होगा कि सूचना का स्वरूप क्या होगा–लिखित, डिजिटल या व्यक्तिगत? यदि माता–पिता असहमति जताते हैं, तो क्या पंजीयन रोका जाएगा? यदि वे अनुपलब्ध हों, विदेश में हों या संबंध विच्छेद हो चुका हो, तो प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ेगी? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर के बिना ऐसा संशोधन प्रशासनिक स्तर पर भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न कर सकता है। इससे पंजीयन अधिकारी पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ेगा और प्रक्रिया लंबी हो सकती है। भारत का संघीय ढांचा परस्पर सहयोग पर आधारित है। विवाह पंजीयन भले ही राज्य सूची का विषय हो, किंतु इसकी व्यापक रूपरेखा और संवैधानिक व्याख्या राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित है। यदि एक राज्य अलग दिशा में कदम बढ़ाता है, तो अन्य राज्यों में भी समान या भिन्न प्रकार के प्रयोग शुरू हो सकते हैं, जिससे एकरूपता प्रभावित होगी। बेहतर होगा कि राज्य सरकारें इस प्रकार के संशोधनों से पहले विधि विशेषज्ञों, सामाजिक संगठनों और अन्य राज्यों से व्यापक परामर्श करें। यदि वास्तव में प्रक्रियात्मक खामियां हैं, तो उनके समाधान के लिए सर्वमान्य और संतुलित उपाय खोजे जा सकते हैं।

विवाह पंजीयन प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने के लिए निम्न उपाय विचारणीय हो सकते हैं– डिजिटल पोर्टल पर अनिवार्य पहचान सत्यापन। ऑनलाइन आवेदन और ट्रैकिंग प्रणाली। फर्जी दस्तावेजों की पहचान के लिए तकनीकी साधन। शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत बनाना। इन सुधारों से दुरुपयोग की संभावना कम होगी, जबकि बालिगों के अधिकार भी सुरक्षित रहेंगे। लोकतांत्रिक शासन में केवल सद्भावना पर्याप्त नहीं होती; उसे संवैधानिक कसौटी पर भी खरा उतरना होता है। विवाह पंजीयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और दुरुपयोग की रोकथाम निस्संदेह आवश्यक है, परंतु इसके लिए ऐसे उपाय अपनाने चाहिए जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गरिमा के साथ टकराव न उत्पन्न करें।

गुजरात सरकार को चाहिए कि वह प्रस्तावित संशोधन पर पुनर्विचार करे, विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करे और ऐसा संतुलित समाधान प्रस्तुत करे जो संविधान, न्यायपालिका की भावना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों के अनुरूप हो। अधिकारों और व्यवस्था के बीच संतुलन ही लोकतंत्र की असली पहचान है, और इसी कसौटी पर किसी भी संशोधन का मूल्यांकन होना चाहिए।

विचार विण्डो

एआई युग में भारत: तकनीकी नेतृत्व और मानवीय मूल्यों का संतुलन

ललित गर्ग

भारत आज एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ तकनीक केवल सुविधा का साधन नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाली शक्ति बन चुकी है। राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं और कॉरपोरेट बोर्डरूम की सीमाओं से बाहर निकलकर नीति, समाज और अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ चुकी है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि भारत केवल तकनीकी उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि एआई युग में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का इच्छुक है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, शासन, उद्योग और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी संभावनाएँ प्रस्तुत कर रही है। ऐसे समय में भारत की दृष्टि केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे मानवीय मूल्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर यह रेखांकित किया है कि तकनीक का अंतिम उद्देश्य मानवता की सेवा होना चाहिए। यही विचार भारत की एआई नीति की आधारशिला बन सकता है।

भारत की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा आबादी है। दुनिया की सबसे युवा जनसंख्या वाले देशों में शामिल भारत के पास प्रतिभा, ऊर्जा और नवाचार की अपार क्षमता है। यदि इस युवा शक्ति को गणित, कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिले, तो भारत एआई अनुसंधान में अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि मौलिक शोध, नैतिकता और नवाचार की संस्कृति विकसित करना होना चाहिए।

हाल के कुछ घटनाक्रमों ने यह भी संकेत दिया है कि एआई के नाम पर अतिशयोक्ति या अपारदर्शिता देश की प्रतिष्ठा को आघात पहुँचा सकती है। यदि किसी संस्थान द्वारा विदेशी तकनीक को अपनी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो इससे न केवल विश्वश्वसनीयता पर प्रश्न उठते हैं, बल्कि व्यापक तकनीकी प्रयासों पर भी संदेह की छाया पड़ती है। इसलिए शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और गुणवत्ता सर्वोपरि होनी चाहिए। एआई में नेतृत्व केवल दावों से नहीं, बल्कि प्रमाणित उपलब्धियों और ठोस नवाचार से स्थापित होगा।

वैश्विक परिदृश्य में देखें तो दुनिया की बड़ी शक्तियाँ एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। विशाल निवेश, शोध अवसंरचना और कॉरपोरेट शक्ति के बल पर अनेक देश तकनीकी बढ़त बनाए हुए हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस

प्रतिस्पर्धा में अपनी विशिष्ट पहचान निर्मित करे। भारत का लोकतांत्रिक ढांचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और व्यापक बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि भारत मानव–केंद्रित और समावेशी एआई मॉडल प्रस्तुत करता है, तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए प्रेरक उदाहरण बन सकता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के अनुसंधान और दूरस्थ क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ खोल रहा है। भारत जैसे विशाल देश में जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं का वितरण असमान है, वहाँ एआई आधारित समाधान ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण और फसल प्रबंधन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है।

जलवायु परिवर्तन आज मानवता के सामने गंभीर चुनौती है। चरम मौसम, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित डेटा विश्लेषण और मॉडलिंग प्राकृतिक आपदाओं के पूर्वानुमान और संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायक हो सकते हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है, तो वह सतत विकास की दिशा में एक मजबूत कदम उठा सकता है। शासन और प्रशासन में भी एआई पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, डेटा–आधारित नीति निर्माण और वित्तीय समावेशन में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी और नागरिकों का विश्वास भी सुदृढ़ होगा।

साथ ही, स्टार्टअप संस्कृति और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर एआई रोजगार सृजन का माध्यम भी बन सकता है।

हालाँकि इस उजाले के साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से पारंपरिक नौकरियों में बदलाव अवश्यंभावी है। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया, तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या बढ़ सकती है। डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफेक और निगरानी जैसी चिंताएँ लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकती हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और दुष्प्रचार को बढ़ावा दे सकता है। इसीलिए आवश्यक है कि एआई विकास के साथ एक सुदृढ़ नैतिक और नियामक ढांचा तैयार किया जाए। नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाना होगा। "मानवता केंद्र में" का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में दिखाई दे। समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए एआई का उपयोग किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है।

भारत के लिए यह समय निर्णायक है। यदि शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दी जाए, तो देश एआई में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकता है। तकनीकी आत्मविश्वास के साथ नैतिक नेतृत्व का संयोजन ही भारत की पहचान बन सकता है।

अंततः एआई केवल मशीनों की बुद्धिमत्ता का प्रश्न नहीं, बल्कि मानव बुद्धि और संवेदनशीलता की परीक्षा भी है। भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और मानवीय मूल्यों के समन्वय का ऐसा मॉडल प्रस्तुत करे, जो वैश्विक समुदाय के लिए प्रेरणा बने। यदि एआई को करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ जोड़ा जाए, तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

साउथ अफ्रीका बनाम ऑस्ट्रेलिया

सितंबर–अक्टूबर में तीन वनडे और तीन टेस्ट, शेड्यूल जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम इस समय टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रही है, लेकिन इसी बीच उसके आगामी अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का भी ऐलान हो गया है। सितंबर से अक्टूबर 2026 के बीच ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम साउथ अफ्रीका का दौरा करेगी, जहां दोनों टीमों के बीच कुल छह मुकाबले खेले जाएंगे। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टेस्ट मैच शामिल हैं। खास बात यह है कि टेस्ट सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी, जिससे इसका महत्व और बढ़ गया है। दौरे की शुरुआत वनडे सीरीज से होगी। पहला वनडे मुकाबला 24 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा वनडे 27 सितंबर और तीसरा व अंतिम

वनडे 30 सितंबर को आयोजित होगा।

यह सीरीज दोनों टीमों के लिए काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। टीम मैनेजमेंट इस दौरान संयोजन, बेंच स्ट्रेंथ और रणनीति पर खास ध्यान देगा। वनडे सीरीज के बाद टेस्ट मुकाबलों की बारी आएगी। पहला टेस्ट 9 से 13 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा।

दूसरा टेस्ट 18 से 22 अक्टूबर तक आयोजित होगा, जबकि तीसरा और अंतिम टेस्ट 27 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका पर बड़ा असर डाल सकती है। गौरतलब है कि पिछली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर खिताब अपने नाम किया था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम इस दौरे पर हिसाब बराबर करने के इरादे से उतरेगी।

फिलहाल साउथ अफ्रीका की टीम का पूरा ध्यान टी20 विश्व कप पर है। टीम ने लीग चरण में सभी मुकाबले जीतकर सुपर–8 में जगह बनाई और भारत को हराकर सेमीफाइनल की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है। एडन मार्करम की कप्तानी में टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है।

अब देखना होगा कि टी20 के बाद वनडे और टेस्ट फॉर्मेट में भी साउथ अफ्रीका अपना दमखम बरकरार रख पाती है या नहीं।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से मिलीं फराह खान

यूनिक समय, नई दिल्ली । बॉलीवुड की मशहूर डायरेक्टर और कोरियोग्राफर फराह खान ने हाल ही में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई से मुलाकात की, जिसकी झलकियां उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। सोमवार को पोस्ट की गई तस्वीरों में फराह और सुंदर पिचाई बातचीत करते हुए मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ फराह ने मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, "जब आप गूगल को ही गिगल यानी मुस्कुराने पर मजबूर कर दें। सुंदर पिचाई से मुलाकात! यूट्यूब इंडिया शुक्रिया।" सोशल मीडिया पर यह पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है और फैंस के साथ–साथ फिल्मी सितारे भी इस पर प्यार लुटा रहे हैं। नीलम कोठारी और सीमा सजदेहा सहित कई सेलेब्स ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। फराह खान इन दिनों अपने ब्लॉग्स को लेकर काफी सुर्खियों में रहती हैं। उन्होंने अपने कुक दिलीप के साथ ब्लॉग की शुरुआत की थी, जो अब काफी पॉपुलर हो चुके हैं। उनके ब्लॉग्स में बॉलीवुड के कई बड़े

सितारे नजर आ चुके हैं और दर्शकों को हर नए एपिसोड का बेसब्री से इंतजार रहता है। फराह खान ने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं और दीपिका पादुकोण की डेब्यू फिल्म 'ओम शांति ओम' का निर्देशन भी किया था। डायरेक्टर बनने से पहले वह एक सफल कोरियोग्राफर रहीं और कई सुपरहिट गानों पर सितारों को नचाया। हालांकि फराह पिछले कुछ समय से निर्देशन में कम सक्रिय हैं, लेकिन रियलिटी शोज में बतौर जज नजर आती रहती हैं। बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'लवयापा' में उन्होंने कोरियोग्राफी की थी। अब सुंदर पिचाई से मुलाकात की उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

उदयपुर पहुंचा स्टार कपल

गैंगस्टर लुक में विजय, बॉसी अंदाज में रश्मिका

यूनिक समय, नई दिल्ली । साउथ सिनेमा के चर्चित सितारे विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने लंबे समय से चल रही रिश्ते और शादी की अटकलों पर आखिरकार आधिकारिक मुहर लगा दी है। अपने रिश्ते को सार्वजनिक करने के एक दिन बाद ही दोनों को हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उनके उदयपुर रवाना होने की खबर ने फैंस के बीच उत्साह और बढ़ा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दोनों अपनी–अपनी टीम के साथ नजर आए। हालांकि उन्होंने अलग–अलग एंट्री की, लेकिन उनके चेहरे की मुस्कान ने साफ जाहिर कर दिया कि यह मौका उनके लिए बेहद खास है। एयरपोर्ट पर दोनों का स्टाइलिश अंदाज भी चर्चा में रहा। रश्मिका नीले रंग के पैंट–सूट और सफेद टॉप में बेहद

कॉन्फिडेंट और एलिगेंट दिखाई दीं। हाई हील्स और गॉगल्स के साथ उनका बॉसी लुक फैंस को खूब पसंद आया। वहीं विजय देवरकोंडा काले लेदर कोट, ब्लैक पैंट और सफेद शर्ट में डैशिंग अंदाज में नजर आए। उनकी बड़ी मूंछें और रफ–टफ स्टाइल उन्हें गैंगस्टर लुक दे रहा था, जिसने सभी का ध्यान खींचा। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह कपल 26 फरवरी 2026 को उदयपुर के आईटीसी होटल्स मेमेंटोस में शादी के बंधन में बंध सकता है। अरावली की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच स्थित यह लग्जरी वेन्यू निजी और शाही समारोहों के लिए जाना जाता है। बताया जा रहा है कि शादी समारोह बेहद इंटिमेट होगा, जिसमें केवल परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। हाल ही में कपल ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उनकी शादी को 'द वेडिंग ऑफ विरोश' नाम दिया गया है। यह नाम उनके फैंस ने वर्षों पहले उनके नामों को जोड़कर बनाया था। विजय और रश्मिका ने अपने चाहने वालों का आभार जताते हुए कहा कि यह नाम उनके प्यार और साथ का प्रतीक है। शादी के बाद 4 मार्च 2026 को हैदराबाद के ताज कृष्णा में एक भव्य रिसेप्शन आयोजित किए जाने की भी खबर है, जिसमें फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

तिहाड़ से बाहर आते ही शूटिंग पर लौटे राजपाल यादव

यूनिक समय, नई दिल्ली । कॉमेडी के लिए मशहूर अभिनेता राजपाल यादव तिहाड़ जेल से रिहा होने के बाद एक बार फिर काम पर लौट आए हैं। चेक बाउंस मामले में जेल जाने के बाद उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट से 18 मार्च तक अंतरिम जमानत मिली है। 1 लाख रुपये के मुचलके और 1.5 करोड़ रुपये संबंधित पक्ष के खाते में जमा कराने की शर्त पर मिली इस राहत के बाद राजपाल ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'वेलकम टू जंगल' की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में फिल्म के सेट से उनकी एक तस्वीर सामने आई है, जिसमें वह वैनिटी वैन में आइने के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। यह फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और फैंस उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। जेल से बाहर आने के बाद राजपाल यादव ने अपने समर्थकों का शुक्रिया अदा किया था और बताया जा रहा है कि वह 28 फरवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पूरे मामले पर बात भी करेंगे। दरअसल, साल 2012 में उन्होंने 'अता पता लापता' नाम की फिल्म बनाई थी, जिसके लिए करीब 5 करोड़ रुपये का लोन लिया गया था।

'वेलकम टू जंगल' के सेट से सामने आई तस्वीर

फिल्म के घाटे में जाने के बाद वह कर्ज नहीं चुका सके और कानूनी कार्रवाई के चलते उन्हें जेल जाना पड़ा। अब जमानत पर बाहर आते ही उन्होंने काम पर फोकस कर लिया है। 'वेलकम टू जंगल' में अक्षय कुमार लीड रोल में हैं और फिल्म का निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं। इस मल्टीस्टारर फिल्म में सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, रवीना टंडन, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, परेश रावल और जॉनी लीवर सहित कई कलाकार नजर आएंगे।

टीम मैनेजमेंट के फैसले पर उठे सवाल

उपकप्तान अक्षर पटेल प्लेइंग इलेवन से बाहर

यूनिक समय, नई दिल्ली । टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया को मिली पहली हार के बाद अब प्लेइंग इलेवन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। हैरानी की बात यह है कि टीम के उपकप्तान अक्षर पटेल को ही अहम मुकाबलों से बाहर बैठा दिया गया, जबकि उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेल रही भारतीय टीम जब सुपर–8 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उतरी, तब प्लेइंग इलेवन में अक्षर का नाम नहीं था। खास बात यह है कि वे चोटिल भी नहीं थे, फिर भी उन्हें मौका नहीं मिला। अक्षर पटेल ने इस टूर्नामेंट में अब तक खेले तीन मैचों में कुल छह विकेट चटकाए हैं। यूएसए के

खिलाफ उन्होंने 24 रन देकर दो विकेट लिए, नामीबिया के खिलाफ 20 रन देकर दो विकेट झटके और पाकिस्तान के खिलाफ भी 29 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। इसके बावजूद नीदरलैंड्स के खिलाफ उन्हें बाहर कर वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया। तीन मैचों में लगातार प्रभावी प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को बाहर बैठाना समझ से परे नजर आ रहा है। वहीं दूसरी ओर वॉशिंगटन सुंदर को दो मैचों में मौका मिला, लेकिन वे कोई विकेट नहीं ले सके। नीदरलैंड्स के खिलाफ उन्होंने 36 रन खर्च किए और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो ओवर में 17 रन दिए, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। ऐसे में सवाल उठता है कि जब अक्षर बेहतर फॉर्म में थे, तो उन्हें क्यों बाहर किया गया? अब टीम इंडिया का अगला मुकाबला 26 फरवरी को जिम्बाब्वे से होना है। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच बेहद अहम है। देखना दिलचस्प होगा कि टीम मैनेजमेंट अगले मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल को फिर से मौका देता है या प्लेइंग इलेवन में बदलाव जारी रहता है।

सोनभद्र में मिट्टी का टीला ढहने से तीन महिलाओं की मौत

यूनिक समय, सोनभद्र। जिले के म्योरपुर थाना क्षेत्र स्थित किरवानी गांव के जंगल में सोमवार को दर्दनाक हादसा हो गया। सफेद मिट्टी निकालने के दौरान अचानक मिट्टी का टीला ढह गया, जिससे कई लोग मलबे में दब गए। अब तक तीन महिलाओं के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि अन्य की तलाश जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में सफेद मिट्टी का उपयोग घरेलू कामों में किया जाता है। इसी मिट्टी को लेने के लिए कुछ महिलाएं और बच्चे जंगल क्षेत्र में पहुंचे थे। मिट्टी निकालते समय उन्होंने टीले के नीचे सुरंग जैसी खोदाई कर ली थी। इसी दौरान अचानक ऊपर की मिट्टी खिसक गई और पूरा ढांचा भरभराकर गिर पड़ा। अंदर मौजूद महिलाएं मलबे में दब गईं।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस भी पहुंची। जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाया गया। काफी मशक्कत के बाद तीन महिलाओं को बाहर निकाला गया और म्योरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सदिकुनिषा (35) निवासी बडहोर थाना बभनी, अमीषा खातून (35) निवासी किरवानी और सीता (30) निवासी किरवानी के रूप में हुई

कई दबे, बचाव कार्य जारी

है। वहीं फूलकुमारी नामक एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल बताई जा रही है, जिसका उपचार चल रहा है।

प्रशासन ने घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि जंगल क्षेत्र में बिना सुरक्षा इंतजाम के मिट्टी खोदना बेहद खतरनाक है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे इस तरह की गतिविधियों में सावधानी बरतें। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया गया है, जबकि राहत एवं बचाव कार्य अभी भी जारी है।

शाक-भाजी, फल व पुष्प प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़

यूनिक समय, वाराणसी। मंडलीय शाक-भाजी, फल एवं पुष्प प्रदर्शनी के अंतिम दिन राजकीय उद्यान कंपनीबाग में भारी भीड़ उमड़ी। रंग-बिरंगे फूलों, सजीव आकृतियों और आकर्षक सजावट के बीच लोगों ने जमकर सेल्फी लीं और परिवार के साथ प्रकृति के रंगों का आनंद उठाया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में प्रदर्शनी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत आयोजित इस प्रदर्शनी के समापन अवसर पर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने मंडल के वाराणसी, जौनपुर, चंदौली और गाजीपुर जिलों के 256 चयनित किसानों को सम्मानित किया। उत्कृष्ट फल, सब्जी, पुष्प और औषधीय पौधों के उत्पादन के लिए किसानों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रदर्शनी में करीब 400 किसानों ने हिस्सा लिया, जिनके 3500

256 किसान सम्मानित

से अधिक उत्पादों को विभिन्न श्रेणियों में प्रदर्शित किया गया। आधुनिक तकनीक से उगाई गई सब्जियां, दुर्लभ पुष्प प्रजातियां और औषधीय पौधे आकर्षण का केंद्र रहे। मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक मिशन योजना के तहत चयनित 24 किसानों को खीरा और करेला के उन्नत बीज निःशुल्क वितरित किए गए। जिला उद्यान अधिकारी सुभाष कुमार ने विभागीय योजनाओं की जानकारी देते हुए किसानों को उन्नत खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। समापन समारोह में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने गायन, वादन और नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को उत्सवमय बना दिया। आयोजन का संचालन सुधांशु सिंह ने किया, जबकि उपनिदेशक उद्यान दिग्विजय भार्गव ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में लाल बारादरी को लेकर टकराव

यूनिक समय, लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित जर्जर लाल बारादरी को बंद किए जाने के फैसले पर विवाद गहराता जा रहा है। सोमवार को समाजवादी छात्र सभा और एनएसयूआई से जुड़े छात्रों ने प्रशासनिक भवन का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए लाल बारादरी को तत्काल खोलने की मांग दोहराई।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल ही में लाल बारादरी को क्षतिग्रस्त और असुरक्षित घोषित करते हुए उसमें प्रवेश और किसी भी गतिविधि पर रोक लगा दी है। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा की ओर से भवन के बाहर चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि छात्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। दूसरी ओर, एबीवीपी कार्यकर्ता भी मौके पर एकत्र हो गए और प्रशासनिक भवन के गेट पर प्रदर्शन किया। एबीवीपी का आरोप है कि कुछ छात्र जानबूझकर जर्जर भवन को धार्मिक स्थल बताकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने परिसर में शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने और दोषियों पर कार्रवाई की

छात्र संगठनों का प्रदर्शन तेज

मांग की। प्रदर्शन के दौरान दोनों पक्षों की नारेबाजी से परिसर में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। सुरक्षा के मद्देनजर विश्वविद्यालय प्रशासन सतर्क रहा। छात्र नेताओं ने यह भी मांग उठाई कि लाल बारादरी के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा दी गई धनराशि के उपयोग का विवरण सार्वजनिक किया जाए। साथ ही विश्वविद्यालय प्रशासन, पुरातत्व विशेषज्ञों और छात्र प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति गठित करने की मांग की गई है, ताकि भवन के भविष्य को लेकर पारदर्शी और संतुलित निर्णय लिया जा सके। रविवार देर शाम तक कई छात्र नेता धरने पर बैठे रहे और आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

लाभचंद्र मार्केट में अतिक्रमण पर कार्रवाई लंबित

यूनिक समय, आगरा। राजामंडी स्थित लाभचंद्र मार्केट में अतिक्रमण हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय समयसीमा समाप्त हो चुकी है, लेकिन अब तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू नहीं हो सकी है। जिला प्रशासन का कहना है कि मामले में रिपोर्ट तैयार कर ली गई है और कुछ बिंदुओं पर विशेषज्ञों से राय ली जा रही है। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि न्यायालय के आदेशों का अक्षरशः पालन किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने 3 फरवरी को अमरजोत सिंह सूरी बनाम प्रदीप कुमार जैन प्रकरण की सुनवाई के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए थे कि राजस्व अभिलेखों में सड़क के रूप में दर्ज भूमि को सार्वजनिक उपयोग के लिए बहाल किया जाए। न्यायालय ने जिलाधिकारी को दो सप्ताह के भीतर सीमांकन कर सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश दिया था। तय मियाद 14 फरवरी को समाप्त हो गई।

इसके बाद 10 फरवरी को एडीएम प्रोटोकॉल, एडीएम नागरिक आपूर्ति, एसडीएम सदर और नगर निगम

सुप्रीम कोर्ट की समय सीमा बीती, डीएम ने तैयार की रिपोर्ट

अधिकारियों की संयुक्त टीम ने लाभचंद्र मार्केट क्षेत्र का सीमांकन किया था। सीमांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की ध्वस्तीकरण कार्रवाई नहीं हुई है।

जिलाधिकारी अरविंद बंगारी ने बताया कि सीमांकन रिपोर्ट तैयार है और कानूनी व तकनीकी पहलुओं पर विशेषज्ञों की राय ली जा रही है, ताकि आगे की कार्रवाई विधिसम्मत तरीके से की जा सके। दूसरी ओर, राजामंडी बाजार एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि कोर्ट के आदेश के 19 दिन और पैमाइश के 12 दिन बीत जाने के बाद भी कार्रवाई न होना सवाल खड़े करता है। मामले को लेकर व्यापारियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रशासनिक स्तर पर निर्णय का इंतजार किया जा रहा है, जबकि स्थानीय लोगों की नजरें अब आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

सिंगापुर दौरे पर सीएम योगी को बड़ी सफलता

6,650 करोड़ के तीन एमओयू साइन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी के सिंगापुर दौरे के पहले दिन राज्य को बड़ी निवेश सौगात मिली। यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने प्रदेश में 6,650 करोड़ रुपये के निवेश के लिए तीन अलग-अलग एमओयू पर हस्ताक्षर किए। प्रस्तावित निवेश ग्रुप हाउसिंग, लॉजिस्टिक्स पार्क और हाइपरस्केल डेटा सेंटर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किया जाएगा। इन परियोजनाओं से 20 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना जताई गई है। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने निवेशकों के साथ बैठक कर प्रदेश की औद्योगिक नीतियों, बेहतर कानून-व्यवस्था, आधुनिक कनेक्टिविटी और तेजी से विकसित हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के निकट 100 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित ग्रुप हाउसिंग परियोजना विकसित की जाएगी। इस परियोजना में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इससे करीब 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। परियोजना के वर्ष 2027 में शुरू होने की संभावना है। कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में 650 करोड़ रुपये की

20 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार

लागत से लॉजिस्टिक्स पार्क स्थापित किया जाएगा। इससे लगभग 7,500 रोजगार सृजित होंगे। यह परियोजना भी 2027 तक शुरू होने की उम्मीद है। नोएडा/ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क स्थापित किया जाएगा।

2,500 करोड़ रुपये के इस निवेश से करीब 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके 2028 तक शुरू होने की संभावना है। राज्य सरकार का मानना है कि सिंगापुर दौरे की यह शुरुआत प्रदेश में विदेशी निवेश को नई गति देगी और उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और मजबूत स्थान दिलाएगी।

परीक्षा देने जा रहे छात्रों की बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ी

हादसे में तीन की मौत

यूनिक समय, रामपुर। जिले के टांडा क्षेत्र में सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हाईस्कूल की परीक्षा देने जा रहे चार छात्रों की बाइक आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, चारों छात्र दढ़ियाल से टांडा स्थित परीक्षा केंद्र की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक ट्रैक्टर चालक ने ब्रेक लगा दिए। पीछे से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर ट्रॉली से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार तीन छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतकों की पहचान अरुण, विनय और मनु के रूप में हुई है। घायल छात्र बादल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। अरुण मूल रूप से मुरादाबाद का निवासी था और फत्तावाला में नानी के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। विनय और मनु दढ़ियाल क्षेत्र के किसान परिवारों से थे।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया है। यह भी जांच की जा रही है कि चारों छात्र एक ही बाइक पर सवार थे या नहीं। ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे।

सार संक्षेप

भारतीय दूतावास तेहरान की एडवाइजरी भारतीय तुरंत ईरान छोड़ें

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने मौजूदा हालात को देखते हुए सभी भारतीय नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने की सलाह दी है। दूतावास ने छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों से उपलब्ध उड़ानों या अन्य साधनों से आज ही प्रस्थान करने को कहा है। नागरिकों को पासपोर्ट तैयार रखने, प्रदर्शनों से दूर रहने और दूतावास के संपर्क में रहने की हिदायत दी गई है। अमेरिका–ईरान तनाव के बीच यह कदम एहतियातन उठाया गया है।

तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर में महिला श्रद्धालु को सांप ने काटा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित प्रसिद्ध तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर में सोमवार तड़के एक महिला श्रद्धालु को सांप ने काट लिया। घटना उस समय हुई जब तेलंगाना के भूपालपल्ली की रहने वाली मोनिका 300 रुपये के टिकट के साथ दर्शन के लिए कतार में अपनी बारी का इंतजार कर रही थीं। अचानक सांप के डसते ही वह चीख उठीं, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) का स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचा और महिला को अश्विनी अस्पताल ले जाया गया।

अविमुश्वक्तेरानंद सरस्वती पर पॉक्सो केस, बोले- जांच को तैयार है

यूनिक समय, नई दिल्ली। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पर प्रयागराज के झूंसी थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई है। उन पर नाबालिगों के यौन उत्पीड़न का आरोप है। वाराणसी में उन्होंने आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि उन्हें कोर्ट पर पूरा भरोसा है और वे हर जांच में सहयोग करेंगे। उन्होंने दावा किया कि गुरुकुल में आरोप लगाने वाले लड़के कभी पढ़े ही नहीं और प्रयागराज में हर जगह सीसीटीवी लगे हैं।

किम जोंग उन फिर पांच साल के लिए चुने गए, परमाणु कार्यक्रम पर जोर

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तर कोरिया की सत्ताधारी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया ने किम जोंग उन को अगले पांच वर्षों के लिए फिर महासचिव चुना है। पार्टी ने उनके कार्यकाल में परमाणु क्षमता बढ़ाने की सराहना की। आधिकारिक एजेंसी केसीएनए के अनुसार चयन सर्वसम्मति से हुआ। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बधाई दी। विश्लेषकों के मुताबिक किम सैन्य ताकत और परमाणु कार्यक्रम को और तेज कर सकते हैं।

दक्षिण चीन सागर में 7.1 तीव्रता का भूकंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। दक्षिण चीन सागर में सोमवार तड़के 7.1 तीव्रता का गहरा भूकंप आया। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार इसका केंद्र मलेशिया के साबाह राज्य के पास था और गहराई लगभग 620 किमी रही। झटके कोटा किनाबालु, कुडाट और सिंगापुर तक महसूस हुए। हालांकि गहराई अधिक होने से सतह पर प्रभाव सीमित रहा। किसी बड़े नुकसान या सुनामी की चेतावनी की सूचना नहीं है।

भारत को नेतृत्वकारी भूमिका में देखने की दुनिया की आशा : मोहन भागवत

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देहरादून के हिमालयन कल्चरल सेंटर में आयोजित "100 वर्ष की संघ यात्रा, नए क्षितिज, नए आयाम" कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और तकनीक के उपयोग पर विस्तृत विचार रखे। उन्होंने कहा कि संघ की किसी से प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि उसका मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण है। सशक्त व्यक्ति से ही सशक्त समाज और अंततः सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। यदि राष्ट्र मजबूत होगा तो नागरिक भी सुरक्षित और आत्मविश्वासी होंगे।

भागवत ने कहा कि लंबी ऐतिहासिक यात्रा के बाद आज विश्व भारत को पुनः नेतृत्वकारी भूमिका में देखने की अपेक्षा कर रहा है। उन्होंने "पंच परिवर्तन" के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए समाज को संगठित, जागरूक और उत्तरदायी बनने का आह्वान किया। सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव के संदर्भ में उन्होंने कहा कि समस्या व्यवस्था से अधिक मन की है। अंधकार को कोसने के बजाय प्रकाश जलाने की आवश्यकता है, अर्थात व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन ही स्थायी समाधान है।

डिजिटल युग पर उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। उसका उपयोग संयम, मर्यादा और अनुशासन के साथ होना चाहिए। परिवार, मानवीय संबंध और आत्मीयता तकनीक से अधिक महत्वपूर्ण हैं, इसलिए तकनीक के लिए मनुष्य की बलि नहीं दी जा सकती। उन्होंने महिलाओं की भागीदारी 33 प्रतिशत तक सीमित न रखकर 50 प्रतिशत तक सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई। साथ ही भ्रष्टाचार, जनसंख्या और राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों पर संतुलित, विचारपूर्ण और समान नीति अपनाने पर बल दिया।

आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में मिलावटी दूध से 4 की मौत, 12 भर्ती

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के राजमुंदरी क्षेत्र में मिलावटी दूध पीने से बड़ा हादसा सामने आया है। पिछले 48 घंटों के भीतर किडनी फेल होने से 4 बुजुर्गों की मौत हो गई, जबकि 12 अन्य लोग अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती हैं। सभी पीड़ितों की उम्र 65 वर्ष से अधिक बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी प्रभावित लोगों ने एक ही सप्लायर से लिया गया दूध इस्तेमाल किया था। दूध पीने के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और किडनी से जुड़ी गंभीर समस्याएं सामने आईं। चार लोगों की हालत तेजी से बिगड़ने के कारण 48 घंटे के भीतर मौत हो गई। जांच के दौरान कोरुकोंडा मंडल के नरसापुरम गांव से एक दूध विक्रेता को हिरासत में लिया गया है। उसकी अवैध रूप से संचालित डेयरी यूनिट को सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उस सप्लायर से दूध लेने वाले 105 परिवारों में से 75 परिवारों के सैंपल एकत्र किए गए हैं। संदिग्ध मिलावट की पुष्टि के लिए लैब में जांच जारी है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आपात समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ितों के बेहतर इलाज और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। विजयवाड़ा से विशेष चिकित्सा टीमें राजमुंदरी भेजी गई हैं। प्रशासन पूरे मामले की गहन जांच में जुटा है।

एआई समिट हंगामे में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान हुए हंगामे के मामले में पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। दिल्ली पुलिस ने ग्वालियर से एक और यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस यूथ कांग्रेस के नेता कृष्ण हरि की गाड़ी बरामद कर चुकी है, जिसमें टी-शर्ट और पोस्टर मिले थे। फरार आरोपियों की तलाश में दिल्ली समेत कई स्थानों पर छापेमारी की गई है।

इस मामले में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इनमें यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कृष्ण हरि, बिहार यूथ कांग्रेस के प्रदेश सचिव कुंदन यादव, उत्तर प्रदेश यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार, तेलंगाना यूथ कांग्रेस के नेशनल को-ऑर्डिनेटर नरसिम्हा यादव और ग्वालियर से जितेंद्र यादव शामिल हैं। सभी आरोपियों को अदालत ने पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई गैर-जमानती धाराएं लगाई गई हैं, जिनमें आपराधिक साजिश, सरकारी काम में बाधा और अवैध जमावड़ा शामिल हैं। एआई समिट में हुए प्रदर्शन पर नरेंद्र मोदी ने मेरठ में तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वैश्विक आयोजन को राजनीतिक मंच बना दिया। इस घटना के बाद बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न शहरों में विरोध प्रदर्शन भी किए हैं।

दिल्ली-एनसीआर में कोयला उद्योगों पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों से कड़ा जवाब तलब किया है। अदालत ने विशेष रूप से कोयला आधारित उद्योगों, निर्माण–ध्वंस कार्यों से उठने वाली धूल और वाहनों से फैल रहे प्रदूषण पर उठाए गए कदमों का विस्तृत ब्योरा मांगा है।

कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि दिल्ली-एनसीआर से कोयला आधारित उद्योगों को बाहर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर अब तक क्या प्रगति हुई है। साथ ही अदालत ने उस सुझाव पर भी प्रतिक्रिया मांगी है, जिसमें कहा गया है कि दिल्ली से 300 किलोमीटर के दायरे में कोई नया कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट स्थापित नहीं किया जाए। यह कदम क्षेत्र में प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान सरकारों को निर्देश दिया है कि

वे एनसीआर में संचालित कोयला आधारित उद्योगों को सार्वजनिक नोटिस जारी करें। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण मानकों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्रवाई करें। निर्माण और डेमोलिशन गतिविधियों से उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के उपायों पर भी अदालत ने विस्तृत जवाब मांगा है। वाहनों से होने वाले प्रदूषण के मुद्दे पर भी अदालत ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में अगली सुनवाई 12 मार्च को निर्धारित की गई है, जिसमें संबंधित एजेंसियों से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है। कोर्ट की सख्ती से संकेत मिलता है कि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर अब ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लाल किला और दिल्ली सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोमवार दोपहर राजधानी में उस समय हड़कंप मच गया जब लाल किला और दिल्ली सचिवालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। धमकी कथित तौर पर एक खालिस्तानी ग्रुप के नाम से भेजी गई है। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और दोनों परिसरों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया।

सुरक्षा के मद्देनजर लाल किला परिसर को तुरंत खाली कराया गया। वहीं आईटीओ के पास स्थित दिल्ली सचिवालय में काम कर रहे कर्मचारियों को भी बाहर निकाल दिया गया। पुलिस द्वारा चप्पे-चप्पे की जांच की जा रही है और संदिग्ध वस्तुओं की तलाश की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरत रही हैं।

धमकी भरे ईमेल के सोर्स का पता लगाने के लिए साइबर सेल को लगाया गया है। अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि मेल कहां से भेजा गया और इससे पहले इस नाम से किसी प्रकार की धमकी दी गई है या नहीं।

संदिग्ध ग्रुप के संभावित नेटवर्क और कनेक्शन की भी पड़ताल की जा रही है। इसी दिन सुबह धौला कुआं स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल और लोधी रोड के एयर फोर्स बाल भारती स्कूल को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। दोनों स्कूलों को एहतियातन खाली कराया गया और जांच के बाद स्थिति सामान्य बताई गई। फिलहाल सभी स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में फिर टकराव : एबीवीपी और लेफ्ट आमने–सामने

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर छात्र संगठनों के टकराव को लेकर सुर्खियों में है। सोमवार सुबह कैंपस में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और वामपंथी छात्र संगठनों के बीच झड़प हुई, जिसमें कई छात्रों के घायल होने की खबर है। घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें छात्र हाथों में डंडे और पत्थर लिए दिखाई दे रहे हैं। एबीवीपी ने आरोप लगाया है कि वामपंथी समूहों ने उनके कार्यकर्ताओं पर हमला किया। संगठन के अनुसार, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी के छात्र प्रतीक भारद्वाज पर कथित रूप से हमला किया गया, उनकी आंखों में अग्निशामक पाउडर डाला गया और

मारपीट की गई। एबीवीपी का दावा है कि वे गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं वामपंथी छात्र संगठनों का आरोप है कि 'समानता मार्च' के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने पथराव किया। यह मार्च कुलपति के कथित जातिवादी बयान और छात्रसंघ पदाधिकारियों के निष्कासन के विरोध में निकाला गया था। वामपंथी संगठनों का कहना है कि मार्च शांतिपूर्ण था, लेकिन उस पर हमला किया गया। जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयू) ने इस घटना को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाने की घोषणा की है। छात्रसंघ का आरोप है कि एबीवीपी ने इक्वालिटी मार्च पर हिंसक हमला किया। दूसरी ओर, एबीवीपी ने वीडियो जारी कर दावा किया है कि वामपंथी छात्र पत्थर और लाठियां लेकर घूम रहे थे तथा लाइब्रेरी और रीडिंग रूम में पढ़ रहे छात्रों के साथ मारपीट की गई। दोनों पक्षों के बीच आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है और संबंधित छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है। फिलहाल विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान का इंतजार है। कैंपस में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है, जबकि छात्र संगठनों ने एक-दूसरे पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

इंडी गठबंधन की कमान छोड़ें राहुल गांधी : मणिशंकर अय्यर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर के एक बयान ने सियासी हलकों में नई बहस छेड़ दी है। अय्यर ने राहुल गांधी को इंडी गठबंधन की कमान छोड़ने की सलाह देते हुए कहा कि नेतृत्व किसी क्षेत्रीय दल के नेता को दिया जाना चाहिए, ताकि गठबंधन को अधिक समय और मजबूती मिल सके।

अय्यर ने सुझाव दिया कि ममता बनर्जी, एम.के. स्टालिन, अखिलेश यादव या तेजस्वी यादव जैसे नेताओं को गठबंधन की कमान सौंपी जा सकती है। उनका कहना है कि इन नेताओं के पास क्षेत्रीय स्तर पर मजबूत पकड़ है और वे गठबंधन को अधिक समय दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ममता बनर्जी के बिना इंडी गठबंधन की धार कमजोर पड़ सकती है।

अय्यर का बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर चर्चा तेज है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस नेताओं ने इस टिप्पणी से असहमति जताई है। पार्टी महासचिव सुमन रॉय चौधरी ने स्पष्ट किया कि अय्यर लंबे समय से सक्रिय राजनीति से दूर हैं और उनका बयान पार्टी की आधिकारिक राय नहीं है। बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले इस बयान ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। विपक्षी दलों के बीच समन्वय और नेतृत्व को लेकर जारी चर्चाओं के बीच अय्यर की टिप्पणी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिलहाल कांग्रेस ने इसे व्यक्तिगत राय बताया है, लेकिन सियासी बहस तेज हो गई है।

विशंभरा–जंघावली में पुलिस कार्रवाई से पसरा सन्नाटा

पुलिस के डर से कई लोग घर छोड़ भागे

पुलिस ने 51 पर किया मुकदमा दर्ज

गिरफ्तार 34 लोगों को भेजा जेल

शेरगढ़ थाने में पुलिस की गिरफ्त में ठग।

यूनिक समय, मथुरा। साइबर अपराधियों के खिलाफ पुलिस द्वारा बड़े पैमाने पर की गई कर्रवाई से जंघावली और विशंभरा में लोग दहशत में है। पुलिस दोनों गांवों पर नजर रखे हुए है। वहीं साइबर अपराध करने वाले लोगों के परिवार गांव से बाहर चले गए हैं। पुलिस ने 51 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और 34 लोगों को भेजा जेल। पुलिस भागे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एसएसपी के निर्देश पर एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल ने साइबर अपराध करने वालों के खिलाफ विशंभरा और जंघावली गांवों मे चिन्हित अपराधियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया था। पुलिस ने इस मामले में 34 अपराधियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज करने के बाद सभी को जेल भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के चलते दोनों गांवों में रहने वाले लोगों में डर का माहोल बना हुआ है। साइबर अपराध से जुड़े लोग अपने घरों को बंद करने के बाद गांव से चले गए हैं। पुलिस भागने वाले साइबर अपराधियों के खिलाफ दबिश दे रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए अपराधियों में जमशेद, सद्दाम, वकील, अंसार, मुश्ताक, असरु मौहम्मद, आसिफ, रोहिद, रुखसार, माफर जुबैर सभी निवासी विशंभरा के अलावा नासिर, साबिर, सईद, वसीम, जुनैद, फरमान, नदीम, खालिद, सारुख, मुनाजिर, मुद्दीन, निजाम, इरशाद, सलीम, नासिर, रुस्तम, अनीस, जानू उर्फ जान मौहम्मद, मुख्तायर, अमीन, हन्ना, इरशाद, सारुख, मुनज्जी, जुबेद, अंजो, अरशद, इकबाल हुसैन, मुजाहिद, आबिद, अमीन, हाकमीन, रिजवान, शाकिर, बाडी और नासिर के नाम मुकदमा दर्ज किया गया है।

विक्टोरिस सीएनजी एक्सक्लूसिव कस्टमर मीट का भव्य आयोजन

विक्टोरिस सीएनजी एक्सक्लूसिव कस्टमर मीट में ग्राहकों को पौधे भेंट करते अतिथि व पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। उमा मोटर्स एरीना शोरूम में विक्टोरिस सीएनजी की एक्सक्लूसिव कस्टमर मीट का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 150 से अधिक ग्राहकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोरूम को हरे-सफेद गुब्बारों से सजाया गया, जो सीएनजी वाहनों की पर्यावरण-अनुकूल पहचान को दर्शा रहा था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ रोहन सिंह, एस.के. बंसल, पियूष श्रीवास्तव एवं श्रीमती शोभा सिसोदिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर अप–कंट्री मैनेजर राजवीर सिंह एवं कमल शर्मा भी उपस्थित रहे। जीएम सेल्स संतोष नावत्थे, सेल्स मैनेजर रोहित शर्मा तथा वर्कशॉप जीएम गजेन्द्र सिकरवार ने ग्राहकों को विक्टोरिस सीएनजी के फीचर्स, माइलेज (27.02 किमी/किग्रा) और सुरक्षा मानकों की जानकारी दी। सेगमेंट की पहली अंडरबॉडी एस-सीएनजी टेक्नोलॉजी, विशाल बूट स्पेस, लेवल–2 अडास, स्मार्ट पावर्ड टेलगेट, 64–कलर एम्बिएंट लाइट और डोलबी ओटम्स साउंड सिस्टम इसकी प्रमुख विशेषताएं रहीं। कार्यक्रम के अंत में प्रबंधन ने सभी ग्राहकों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजन जारी रखने का आश्वासन दिया।

होली महोत्सव में दिखा अनोखा नजारा

शिव स्वरूप में युवक पहुंचा द्वारकाधीश मंदिर

यूनिक समय, मथुरा। द्वारकाधीश मंदिर में सोमवार सुबह होली महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। सुबह करीब 5:30 बजे भगवान भोलेनाथ का स्वरूप धारण किए एक युवक मंदिर परिसर में पहुंचा, जिसे देखकर वहां मौजूद भक्त आश्चर्यचकित रह गए।

युवक ने जटाजूट, शरीर पर भस्म और रुद्र रूप धारण कर रखा था। उसके हाथ में डमरू और त्रिशूल था। जैसे ही वह मंदिर में दर्शन के लिए आगे बढ़ा, पूरा परिसर "हर–हर महादेव" और "राधे–राधे" के जयघोष से गूंज उठा। देश–विदेश से आए श्रद्धालुओं ने उसे श्रद्धाभाव से नमन किया और कई लोगों ने उसके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। युवक ने बताया कि वह प्रतीकात्मक रूप से कैलाश से ब्रज में होली खेलने आया है। उसके अनुसार, ब्रज की होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भक्ति और आध्यात्मिक आनंद का पर्व है। मंदिर के गोस्वामियों ने भी उसे फूल–माला पहनाकर सम्मानित किया। श्रद्धालुओं ने इस दृश्य को शिव और कृष्ण भक्ति के अद्भुत संगम के रूप में देखा।

डीएम और एसएसपी ने बरसाना मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया

यूनिक समय, बरसाना (मथुरा)। विश्व प्रसिद्ध लडडू होली एवं लठामार होली को लेकर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह एवं एसएसी श्लोक कुमार ने श्री राधा बिहारी इंटर कॉलेज के ग्राउंड में सभी जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेटों तथा पुलिस अधिकारियों की ब्रीफिंग ली।

दोनों अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ बरसाना मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रमुख चौराहों, मार्गों, गलियों, श्री राधा राधा मंदिर के प्रवेश व निकास द्वारों आदि का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर हेतु सभी मार्गों पर स्थित दुकानदारों को अपना सामान दुकानों के अंदर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्गों को अवरुद्ध करने वाले ढकेल, रेहड़ी, पटरी, ठेला आदि को हटाने के निर्देश दिए।

संत गाडगे की जयंती डीग गेट पर मनाई गई संत के मिशन को आगे बढ़ाने की शपथ

यूनिक समय, मथुरा। अम्बेडकर सामाजिक अधिकार मंच के तत्वावधान में अम्बेडकर चौक डीग गेट पर सामाजिक समानता एवं स्वच्छता आंदोलन के प्रेरक सतं गाडगे महाराज की जयंती मनाई। वक्ताओं ने उनके जीवन और विचारों को प्रकाश डाला। मंच के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि संत गाडगे ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा, छूआछूत उन्मूलन एंव स्वच्छता के संदेश के लिए समर्पित कर दिया। कार्यक्रम में मंच के संरक्षक त्रिलोक नाथ कर्दम, ताराचंद प्रधान, मोहन सिंह कर्दम, मान सिंह दरोगा, दरोगा नरेंद्र कुमार, बदन सिंह, एमपी सिंह, सुरजपाल, अशोक केसरिया एवं दीपक कुमार यासीन शाह आदि शामिल थे।

मथुरा रिफाइनरी में हुआ आपातकालीन पूर्वाभ्यास

रिफाइनरी में पूर्वाभ्यास के दौरान आग को काबू करते दमकल कर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा रिफाइनरी में ऑन साइट कम ऑफ साइट डिजास्टर पूर्वाभ्यास किया गया, जो प्रोपिलीन गैस के रिसाव से उत्पन्न आग से संबन्धित था। गैस रिसाव और आग लगाने के परिदृश्य में रिफाइनरी व आस पास के ग्रामों पर इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ड्रिल को आयोजित किया गया। गैस रिसाव से उत्पन्न आग की सूचना मिलते ही रिफाइनरी का अग्निशमन दस्ता तुरंत घटना स्थल पर पहुंचा और फायर टेंडर से आग बुझाने का काम शुरू किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए इसे डिजास्टर घोषित किया गया। ज़िला प्रशासन, सिविल डिफेंस, ज़िला अस्पताल, ज़िला अग्निशमन दस्ता एवं पुलिस की टीमें भी मौके पर पहुंची और आग बुझाने और इवैकुएशन का कार्य किया। इस ड्रिल के दौरान सभी पर्यवेक्षकों ने अपनी भूमिका निभाई और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। आपातकाल पूर्वाभ्यास के पश्चात हुई बैठक के दौरान पूर्वाभ्यास की गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। इस पूर्वाभ्यास के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा उच्च स्तरीय प्रबंधमंडल ने की। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल ने की। इस अवसर पर ज़िला प्रशासन, सीआईएसएफ और रिफाइनरी प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

जयसिंहपुरा बस्ती में हिंदू सम्मेलन

जात पात को भूलकर हिंदू समाज में एकजुट होने का संकल्प

जयसिंहपुरा बस्ती में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते वक्ता व मौजूद लोग।

यूनिक समय, मथुरा। जयसिंहपुरा बस्ती के हिंदू सम्मेलन में जात पात को भूलकर हिंदू समाज में एकजुट होने का संकल्प लिया गया। सभी ने भगवा ध्वज के तले भारत माता को परम वैभव पर पहुंचाने की कसम खाई। तमोली धर्मशाला, गणेश टीला रोड पर जयसिंहपुरा बस्ती के हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता गौसेवा गतिविधि विभाग संयोजक विष्णु शर्मा ने कहा कि संगठन में ही शक्ति है। समस्त हिंदू समाज को राष्ट्रहित में काम करना चाहिए। मातृशक्ति अतिथि भागवत वक्ता एवं रामकथा मर्मज्ञ साध्वी मीरा शास्त्री ने पंच परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए समाज को संघ से जुड़ने का आहवान किया। संत शक्ति अतिथि 1008 राधेबाबा गोलोकधर्म के महंत कन्हैया दास महाराज ने सेवा एवं गौसेवा के माध्यम से हिन्दू समाज को जागृत करने का संदेश दिया। क्षेत्रीय पार्षद राकेश भाटिया ने मंचासीन अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर और तस्वीर भेंट करके स्वागत किया। सम्मेलन के अध्यक्ष किशन शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए अध्यक्षीय आशीर्वचन दिया। संचालन आरएसएस के नगर कार्यवाह मनीष सिंघल ने किया। सम्मेलन में महानगर कार्यवाह विजय बंटा, सुमित अग्रवाल, वन बिहारी अग्रवाल, रवि शर्मा, गोविंद बिहारी, एड. राजकुमार शर्मा, राजकुमार बघेल, राजकुमार गौतम, पुष्पेंद्र चौधरी, सुनील वर्मा, मुकेश दिवाकर, दीपक शर्मा, चंद्रप्रकाश, नीरज रावत, अमर शर्मा तथा मिथुन सिंह आदि उपस्थित थे।

हाईस्कूल अंग्रेजी और इंटर के विभिन्न विषयों की परीक्षा नकलविहीन रही

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में सोमवार को बोर्ड की परीक्षाएं शांतिपूर्ण माहौल में हुईं। सुबह की पहली पाली में हाईस्कूल की अंग्रेजी विषय की परीक्षा 119 केंद्रों पर आयोजित की गई। इस परीक्षा में कुल 34,998 छात्र–छात्राएं पंजीकृत थे। इनमें से 32,717 विद्यार्थी परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 2,281 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इसी पाली में इंटरमीडिएट के व्यवसायिक विषयों की परीक्षा भी कराई गई। इसमें 526 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 509 विद्यार्थी उपस्थित रहे और 17 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। दोपहर की दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान और गणित विषय की परीक्षा 116 केंद्रों पर आयोजित हुई। इन दोनों विषयों में कुल 28,115 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 25,749 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 2,366 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। गणित में 17,468 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें 16,598 उपस्थित रहे और 870 अनुपस्थित रहे। वहीं जीव विज्ञान में 10,647 विद्यार्थी पंजीकृत थे। इनमें से 9,151 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 1,496 विद्यार्थी अनुपस्थित थे।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053